www.sanjanabharati.com

दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित

facebook.com/Sanjanabharati

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 मीडिया की विश्वसनीयता पर उठते सवाल

3 लोकतंत्र के चतुर्थ स्तंभ से डीएम हुए रूबरू, प्रेस...

4 गांव नीमवाला व राजौंद में नवीन संकल्प शिविर...

वर्ष: 9 | अंक: 226 | दिल्ली, मंगलवार, 10 जून 2025 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

पिंक लाइन मेट्रो स्टेशन पर धुआं, मेट्रो का परिचालन प्रभावित

नई दिल्ली (एजेन्सी)। दिल्ली मेट्रो की पिंक लाइन पर त्रिलोकपुरी-संजय लेक स्टेशन के तकनीकी कक्ष में धुआं निकलने के बाद एक हिस्से पर मेट्रो रेल का परिचालन सोमवार को बाधित हो गया। पिंक लाइन मेट्रो मजलिस पार्क से शिव विहार के बीच चलती है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) के अनुसार, आज दिन में करीब 11:20 बजे धुंआ देखा गया, जिससे स्टेशन की सिग्नलिंग और स्वचालित किराया संग्रह (एएफसी) प्रणाली प्रभावित हुई। डीएमआरसी ने एक बयान में कहा, परिणामस्वरूप, स्टेशन पर सिग्नलिंग की अस्थायी अनुपलब्धता के कारण दोनों दिशाओं से त्रिलोकपुरी-संजय झील की ओर आने वाली ट्रेनों को 25 किमी प्रति घंटे की सीमित गति से चलाया जा रहा है। हालांकि, पिंक लाइन के बाकी हिस्सों पर परिचालन सामान्य रूप से चल रहा है। बयान में कहा गया है कि दिल्ली दमकल सेवा के कर्मियों ने धुएं को साफ करने में मदद की और प्रभावित प्रणालियों को फिर से चालू करने के लिए मरम्मत कार्य चल रहा है। डीएमआरसी ने कहा कि यात्रियों को स्थिति के बारे में सूचित करने के लिए स्टेशनों और ट्रेनों के अंदर लगातार सार्वजनिक घोषणायें की जा रही हैं।

मध्य रेलवे को लोकल ट्रेनों में स्वचालित दरवाजे लगाने चाहिए: शरद पवार

महाराष्ट्र (एजेन्सी)। राकांपा (एसपी) अध्यक्ष शरद पवार ने लोकल ट्रेन से गिरकर यात्रियों की मौत को दुर्भाग्यपूर्ण करार देते हुए सोमवार को मध्य रेलवे प्रशासन से अपील की कि वह भीड़भाड़ को देखते हुए लोकल ट्रेनों में स्वचालित दरवाजे लगाने जैसे उपाय लागू करे। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में सोमवार की सुबह एक चलती ट्रेन से गिरकर कम से कम चार यात्रियों की जान चली गई और छह यात्री घायल हो गए। दुर्घटना दिवा और कोपर रेलवे स्टेशनों के बीच उस वक्त हुई जब यात्रियों से भरी ट्रेन कसारा जा रही थी। घटना संभवत: भीड़भाड़ वाली दो ट्रेनों के पायदान से लटके यात्रियों और उनके बैग के एक-दूसरे से टकराने के कारण हुई क्योंकि ट्रेनें विपरीत दिशाओं से गुजर रही थीं। पवार ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, मध्य रेलवे को समयसारणी अच्छी तरह से बनानी चाहिए और उसी के अनुसार महत्वपूर्ण मार्गों पर लोकल ट्रेनों की संख्या बढ़ानी चाहिए।

प. बंगाल में कोविड की स्थिति को लेकर घबराने की कोई जरूरत नहीं: ममता

पश्चिम बंगाल (एजेन्सी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को कहा कि राज्य में कोविड-19 की स्थिति को लेकर घबराने की कोई जरूरत नहीं है। बनर्जी ने यह बयान कोरोना वायरस के एक और प्रकोप से निपटने के लिए राज्य की तैयारियों की समीक्षा के लिए आयोजित बैठक की अध्यक्षता करने के बाद दिया उन्होंने कहा कि आधिकारिक जानकारी के अनुसार, राज्य में कोविड की स्थिति को लेकर घबराने की कोई जरूरत नहीं है। लेकिन हमें सतर्क रहना होगा। बैठक में मुख्य सचिव मनोज पंत, स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, कोलकाता नगर निगम समेत नगर निकायों के प्रतिनिधि और पंचायत विभाग के अधिकारी मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने कहा, बैठक में हमने तैयारियों का जायजा लिया।

140 करोड़ भारतीयों के आशीर्वाद और सामूहिक भागीदारी के बल पर देश ने विभिन्न क्षेत्रों में बदलाव देखे हैं: प्रधानमंत्री मोदी

'पिछले 11 वर्षों में कई सकारात्मक बदलाव आए हैं और जीवन की सुगमता को बढ़ावा मिला है'

संजना भारती/पीआईबी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एनडीए सरकार के पिछले 11 वर्षों के कार्यकाल में भारत में आए उल्लेखनीय परिवर्तन पर प्रकाश डाला है। श्री मोदी ने कहा है कि 140 करोड़ भारतीयों की सामूहिक भागीदारी से सुशासन और परिवर्तन पर स्पष्ट ध्यान दिए जाने से विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से प्रगति हुई है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के सिद्धांत से प्रेरित होकर एनडीए सरकार ने तेजी से और संवेदनशीलता के साथ युगांतकारी परिवर्तन किए हैं। श्री मोदी ने कहा है कि आर्थिक विकास से लेकर सामाजिक उत्थान तक, सरकार ने जन-केंद्रित, समावेशी और सर्वांगीण प्रगति को प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि भारत आज न केवल सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है, बल्कि जलवायु कार्रवाई और डिजिटल नवाचार जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर एक प्रमुख वैश्विक आवाज भी है। श्री मोदी ने कहा कि हमें अपनी सामूहिक सफलता पर गर्व है लेकिन इसके साथ ही, हम आशा व विश्वास के साथ विकसित भारत के निर्माण के लिए नए संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि पिछले 11 वर्षों में कई सकारात्मक बदलाव आए हैं और जीवन की सुगमता को बढ़ावा मिला है। श्री मोदी ने इस संदर्भ में, नागरिकों को नमो ऐप के माध्यम से इस परिवर्तनकारी यात्रा के बारे में जानकारी जुटाने के लिए प्रोत्साहित किया, जो सरकार की उपलब्धियों को संवाद-शैली के माध्यम से प्रस्तुत करता है। इस ऐप के जरिए इंटरैक्टिव गेम, क्विज, सर्वेक्षण और अन्य ऐसे प्रारूपों के माध्यम से वैसी

जानकारी प्राप्त की जा सकती है, जो प्रेरित करती है।

प्रधानमंत्री ने लोगों को नमो ऐप और आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध वीडियो, इन्फोग्राफिक्स और लेखों जैसे विभिन्न आकर्षक प्रारूपों के माध्यम से भारत की विकास यात्रा के बारे में जानकारी लेने के लिए भी आमंत्रित किया।

प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर पोस्ट किया: सुशासन और परिवर्तन पर स्पष्ट ध्यान!

140 करोड़ भारतीयों के आशीर्वाद और सामूहिक भागीदारी के बल पर भारत ने विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से परिवर्तन देखे हैं। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के सिद्धांत से प्रेरित होकर, एनडीए सरकार ने तेजी से और संवेदनशीलता के साथ युगांतकारी परिवर्तन किए हैं।

आर्थिक विकास से लेकर सामाजिक उत्थान तक, जन-केंद्रित, समावेशी और सर्वांगीण प्रगति पर ध्यान केंद्रित किया गया है। भारत आज न केवल सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था है, बल्कि जलवायु कार्रवाई और डिजिटल नवाचार जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर एक प्रमुख वैश्विक आवाज भी है।

हमें अपनी सामूहिक सफलता पर गर्व है, लेकिन साथ ही, हम एक विकसित भारत के निर्माण के लिए आशा, विश्वास और नए संकल्प के साथ आगे बढ़ते हैं! पिछले ग्यारह वर्षों में कई सकारात्मक बदलाव आए हैं और 'जीवन की सुगमता' को बढ़ावा मिला है।

नमो ऐप आपको इस परिवर्तनकारी यात्रा में इंटरैक्टिव गेम, क्विज, सर्वेक्षण और अन्य ऐसे प्रारूपों के माध्यम से अभिनव तरीके से ले जाता है जो जानकारी देते हैं, जोड़ते हैं और प्रेरित करते हैं।

बीते 11 वर्षों में हमारी सरकार की हर योजना के केंद्र में गरीब भाई-बहनों के साथ ही जन-जन का कल्याण सुनिश्चित करना रहा है। उज्ज्वला हो या पीएम आवास, आयुष्मान भारत हो या भारतीय जनऔषधि या फिर पीएम किसान सम्मान निधि, इन सभी योजनाओं ने देशवासियों की उम्मीदों को नए पंख दिए हैं। हमने इस दौरान पूरी निष्ठा और सेवाभाव के साथ लोगों का जीवन आसान बनाने के लिए हरसंभव प्रयास किया है।

दिल्ली में बनेगा देश का पहला ई-वेस्ट इको पार्क- मनजिंदर सिंह सिरसा

संजना भारती/संजय कुमार

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने देश के पहले अत्याधुनिक ई-वेस्ट इको पार्क के निर्माण की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। होलंबी कलां में बनने वाले इस इको पार्क की पहल माननीय मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में की जा रही है। इस परियोजना को माननीय उद्योग मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा तथा दिल्ली राज्य औद्योगिक और अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड द्वारा आगे बढ़ाया जा रहा है।

मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि यह केवल एक सुविधा नहीं, बल्कि भविष्य के प्रति हमारी प्रतिबद्धता है। ई-वेस्ट इको पार्क दिल्ली को एक ऐसी सर्कुलर इकोनॉमी में बदलने का प्रयास है जहाँ हर संसाधन का सदुपयोग होगा और हर श्रमिक को उसका उचित सम्मान व अवसर मिलेगा। इस परियोजना से हम न केवल कचरे का प्रबंधन कर रहे हैं, बल्कि इनोवेशन, रोजगार और सस्टेनेबल इंडस्ट्री के लिए एक भविष्य तैयार कर रहे हैं। श्री सिरसा की अध्यक्षता में हुई उच्चस्तरीय बैठक में DSIIDC को ग्लोबल टेंडर जारी करने का निर्देश दिया गया, जिससे विश्व की सर्वश्रेष्ठ ग्रीन टेक्नोलॉजी से इस परियोजना का निर्माण सुनिश्चित किया जा सके।

11.4 एकड़ में बनने वाले इस पार्क का निर्माण Design, Build, Finance, Operate and Transfer (DBFOT) मॉडल के तहत Public Private Partnership (PPP) के आधार पर किया जाएगा, जिसकी रियायत अवधि 15 वर्ष होगी। यह पार्क हर साल 51,000 मीट्रिक टन ई-वेस्ट का प्रोसेसिंग करेगा, जिसमें ई-वेस्ट मैनेजमेंट नियम 2022 के तहत सूचीबद्ध सभी 106 श्रेणियाँ शामिल होंगी। इससे अनुमानित 350 करोड़ रु का वार्षिक राजस्व उत्पन्न होने की संभावना है। इसका निर्माण कार्य 18 महीनों में पूरा करने का लक्ष्य है। पूरी तरह से चालू होने के बाद, यह इको पार्क अगले पांच वर्षों में दिल्ली के कुल ई-वेस्ट का लगभग 25% प्रोसेस करेगा।

भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा ई-वेस्ट उत्पादक देश है, जहाँ हर साल 16 लाख मीट्रिक टन से अधिक ई-वेस्ट उत्पन्न होता है और इसकी वृद्धि दर 23% प्रतिवर्ष है। दिल्ली अकेले देश के कुल ई-वेस्ट में लगभग 9.5% का योगदान करती है। वहीं वैश्विक स्तर पर केवल 17.4% ई-वेस्ट ही पुनःप्रक्रिया (रिसायकल) किया जाता है, जिससे लगभग 57 बिलियन डॉलर मूल्य के तांबा, लिथियम व अन्य दुर्लभ धातुएं नष्ट हो जाती हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 'सर्कुलर इकोनॉमी' पर दिए गए संदेश से प्रेरित होकर देश में चार ऐसे ई-वेस्ट इको पार्क बनाए जाने की योजना है। दिल्ली इस दिशा में पहल करने वाला पहला राज्य है जिसने इसके लिए भूमि, नीतिगत सहयोग व वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराए हैं।

ई-वेस्ट रीसाइक्लिंग के अलावा इको पार्क में डिस्मेंटलिंग, रिफर्बिशिंग, कंपोनेंट टेस्टिंग, प्लास्टिक रिकवरी और सेकंड हैंड इलेक्ट्रॉनिक्स मार्केट के लिए अलग-अलग जोन भी होंगे। इसके साथ ही असंगठित क्षेत्र के हजारों कामगारों को औपचारिक रूप से प्रशिक्षित करने हेतु स्किलिंग व ट्रेनिंग सेंटर्स भी स्थापित किए जाएंगे। श्री सिरसा ने कहा कि इस परियोजना से हजारों ग्रीन जॉब्स का सृजन होगा। अनौपचारिक क्षेत्र के रीसायकलिंग करने वालों को औपचारिक व्यवस्था में लाकर हम न केवल उनकी आय बढ़ाएंगे, बल्कि पूरी प्रणाली को और अधिक सुरक्षित, स्वच्छ व तकनीकी रूप से उन्नत बनाएंगे।

देश में सबसे पहले हरियाणा ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को किया लागू

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा सरकारी स्कूलों कां ढांचागत विकास कराने के साथ-साथ विद्यार्थियों को अच्छी शिक्षा दिलाने के भरसक प्रयास किए जा रहे हैं। इसी का नतीजा है कि हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड का राजकीय स्कूलों का 10वीं व 12वीं कक्षा के बेहतरीन परीक्षा परिणाम रहे हैं।

राजकीय स्कूलों के विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास व उन्हें प्रतियोगिता परीक्षाओं के लिए तैयार करने की योजना बनाई गई है। हर जिले के आईएएस, आईपीएस व एचसीएच अधिकारी महीने में चार दिन चार सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों को शिक्षा व प्रतियोगिता परीक्षाओं में पारंगत बनाने के लिए योगदान देंगे। विद्यार्थियों को ट्रैफिक नियमों की भी जानकारी दी जाएगी। इस बारे में अधिकारियों को पत्र लिखकर सहयोग की अपील की है।

शिक्षा मंत्री श्री महीपाल ढांडा आज अपने चंडीगढ़ निवास पर पत्रकारवार्ता कर रहे थे। शिक्षा मंत्री ने कहा कि देश में सबसे पहले हरियाणा ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लागू किया है। इस नीति के अनुरूप पाठ्यक्रम तैयार किए जा रहे हैं। भविष्य में इसके सार्थक परिणाम सामने आएंगे। उन्होंने कहा कि सुपर 100 कार्यक्रम गरीब विद्यार्थियों के लिए आशा की नई किरण लेकर आया है।

इस बार आईआईटी व जेईई एडवांस 2025 परीक्षा में सुपर 100 के सरकारी स्कूलों के 72 विद्यार्थियों ने क्वालीफाई किया है। सकारात्मक पहलू यह है कि परीक्षा में 24 बेटियों ने सफलता हासिल की है। यह प्रदेश सरकार की लड़कियों को शिक्षा के क्षेत्र में बेहतरीन सुविधा देने का नतीजा है।

नए जिलों के गठन को लेकर बनी कमेटी की रिपोर्ट मिलते ही सरकार लेगी निर्णय: नायब सैनी

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि नए जिलों के गठन को लेकर बनी कमेटी प्राप्त प्रस्तावों पर विचार कर रही है और जैसे ही समिति की रिपोर्ट आएगी, सरकार उस पर निर्णय लेगी। मुख्यमंत्री हिसार में महाराजा अग्रसेन एयरपोर्ट पर हिसार से चंडीगढ़ के लिए फ्लाइट सेवा के शुभारंभ अवसर पर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

श्री नायब सिंह सैनी ने देश की सुरक्षा का जिक्र करते हुए कहा कि आज का भारत आतंकवाद के खिलाफ सख्त जवाब देता है। उन्होंने उरी, पुलवामा और हाल ही की पहलगाम जैसी घटनाओं के बाद भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान में की गई सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक का उदाहरण देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अब भारत

आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करता है, जिससे देशवासियों का आत्मविश्वास मजबूत हुआ है।

जातिगत सर्वेक्षण से जुड़े सवाल पर उन्होंने कहा कि कोई रुकावट नहीं है और प्रक्रिया निर्धारित प्रणाली के अनुसार आगे बढ़ रही है। अयोध्या फ्लाइट के दिल्ली डायवर्जन से जुड़ी समस्या पर उन्होंने स्पष्ट किया कि मौसम की गंभीर परिस्थितियों में यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोपरि मानकर पायलट और एविएशन टीम निर्णय लेती है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा हाल ही के हरियाणा दौरे पर दिए गए ब्यान पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री ने चुटकी लेते हुए कहा कि कांग्रेस में केवल लंगड़े घोड़े बचे हैं। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि बारात का घोड़ा, रेस का घोड़ा और लंगड़ा घोड़ा, इस प्रकार के बयान कांग्रेस के नेतृत्व की स्थिति को दर्शाते हैं और संगठन की निष्क्रियता पर सवाल उठाते हैं। कांग्रेस ने 55 साल राज किया, लेकिन उन्होंने जनता के लिए कुछ नहीं किया।

नगर निगम सोनीपत के नए भवन का निर्माण कार्य जल्द से जल्द पूरा किया जाए: नायब सिंह सैनी

प्राधिकरण ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 349.8 करोड़ रुपये के बजट को दी मंजूरी

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में यहां सोनीपत महानगर विकास प्राधिकरण (एसएमडीए) की आयोजित बैठक में सोनीपत महानगर क्षेत्र में बुनियादी ढांचा विकास परियोजनाओं को बढ़ावा देते हुए वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 349.8 करोड़ रुपये के बजट को मंजूरी दी गई।

बैठक में हरियाणा के सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा, सोनीपत के सांसद श्री सतपाल ब्रह्मचारी, विधायक श्री निखिल मदान, श्री देवेन्द्र कादियान और श्रीमती कृष्णा गहलावत और मेयर श्री राजीव जैन भी उपस्थित थे।

प्राधिकरण की दूसरी बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नगर निगम सोनीपत के नए भवन का निर्माण कार्य जल्द से जल्द पूरा किया जाए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नागरिकों को अपने कार्यों के लिए अलग-अलग दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़ें, इसके लिए सोनीपत महानगर विकास प्राधिकरण का कार्यालय नगर निगम भवन बनने के बाद उसमें स्थानांतरित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि नई योजनाओं और परियोजनाओं की योजना क्षेत्र की अनुमानित आबादी को ध्यान में रखकर बनाई जाए, ताकि विकास कार्यों से लोगों को अधिकतम लाभ मिल सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे सुनिश्चित करें कि ठेकेदार तय समय सीमा के भीतर विकास कार्य पूरा करें और ऐसा न करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

बैठक में प्राधिकरण ने सोनीपत महानगर विकास प्राधिकरण के तत्वावधान में एक एकीकृत कमान एवं नियंत्रण केंद्र (आईसीसीसी) की स्थापना एवं निगरानी को मंजूरी प्रदान की। आईसीसीसी सोनीपत जैसे बढ़ते शहर में शहरी बुनियादी ढांचे और सेवाओं के प्रबंधन के लिए एक केंद्रीय तंत्रिका केंद्र के रूप में काम करेगा। आईसीसीसी के प्रमुख घटकों में शहर-व्यापी निगरानी प्रणाली, स्मार्ट पार्कों और स्मार्ट सड़कों के लिए आईसीटी बुनियादी ढांचा, एक अनुकूलनीय यातायात नियंत्रण प्रणाली, यातायात प्रवर्तन प्रणाली, परिवर्तनशील संदेश संकेत, स्मार्ट स्ट्रीट लाइटिंग, एक आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली और एक सार्वजनिक संबोधन प्रणाली शामिल हैं।

खाद्य क्षेत्र और उद्योगों में शहर के तेजी से विकास को देखते हुए, प्राधिकरण ने दीनबंधु छोटू राम विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (डीसीआरयूएसटी), मुरथल में 3 एमएलडी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट को एसबीआर (सीक्वेंसिंग बैच रिएक्टर) प्रौद्योगिकी पर आधारित 7.5 एमएलडी क्षमता वाले प्लांट में अपग्रेड करने को मंजूरी दी, जिसकी अनुमानित लागत 15.75 करोड़ रुपये है। इसके अतिरिक्त, यमुना नदी के पास बेघा गांव से गन्नौर शहर तक 10 एमएलडी रैनी वेल और राइजिंग मेन के निर्माण के लिए 35.50 करोड़ रुपये की लागत वाली परियोजना को भी मंजूरी दी गई। इस परियोजना का उद्देश्य गन्नौर और आसपास के क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति को बढ़ाना है।

बच्चों को खेलने के लिए, परिवारों को आपस में मिलने-जुलने के लिए तथा बुजुर्गों को आराम करने के लिए एक तरोताजा वातावरण प्रदान करने के उद्देश्य से, सोनीपत के सेक्टर-4 में स्टेडियम के पीछे एक नया थीम-आधारित वेस्ट टू वंडर पार्क बनाया जाएगा। 26.38 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से विकसित इस पार्क में बड़ी संख्या में आगंतुकों के आने की उम्मीद है, जिससे पर्यटकों की संख्या में वृद्धि और सार्वजनिक भागीदारी के माध्यम से महत्वपूर्ण आर्थिक वृद्धि होगी। पार्क में विभिन्न महाद्वीपों के विश्व प्रसिद्ध स्थलों का पुनर्निर्माण किया जाएगा, जिन्हें कलात्मक प्रतिष्ठानों में परिवर्तित अपशिष्ट और स्क्रैप सामग्री का उपयोग करके बनाया गया है।

तेज गति से होगी यमुना नदी की सफाई!

नई दिल्ली (एजेन्सी)। केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार ने यमुना नदी को साफ करने के लिए एक संयुक्त प्रयास शुरू किया है, जिसमें प्रदूषण को कम करने के उद्देश्य से कई पहल की गई हैं। 22 प्रमुख नालों के लिए ड्रोन सर्वेक्षण किया जाएगा और प्रदूषण निगरानी के लिए 67 स्थानों की पहचान की गई है। एक शीर्ष सूत्र ने कहा कि केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) 360 छोटे और बड़े नालों का फिर से सत्यापन करेगा और नदी में गिरने वाले 22 प्रमुख नालों के लिए ड्रोन सर्वेक्षण करेगा। यमुना नदी में प्रदूषण निगरानी के लिए 67 स्थानों की पहचान की गई है। उन्होंने कहा कि जुलाई तक एक सर्वेक्षण किया जाएगा और रिपोर्ट दिल्ली जल बोर्ड को सौंपी जाएगी। सितंबर 2025 तक 67 चिन्हित स्थानों पर साल में दो बार प्रदूषण प्रभाव मापने के लिए एक स्थायी प्रणाली स्थापित की जाएगी। जल शक्ति मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत भारत सरकार के पूर्ण स्वामित्व वाली केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी WAPCOS को नालों में पानी के प्रवाह को मापने का काम सौंपा गया है, जो जुलाई तक पूरा हो जाएगा। अगस्त तक स्वच्छ गंगा के लिए राष्ट्रीय मिशन नजफगढ़ और शाहदरा नालों का भी सर्वेक्षण करेगा। दिल्ली जल बोर्ड शेष 20 प्रमुख नालों का सर्वेक्षण करेगा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इसके अलावा, दिल्ली सरकार 32 रियल-टाइम जल निगरानी स्टेशन स्थापित कर रही है, जिसमें यमुना नदी पर 10 और प्रमुख नालों पर 22 स्टेशन शामिल हैं।

गांवों में प्रशासन को बढ़ावा देने के लिए हम शासन को गांवों के करीब ला रहे हैं: सीएम मान

'लोगों को तहसीलों में व्याप्त भ्रष्टाचारपूर्ण व्यवस्था से मिली मुक्ति'

संजना भारती संवाददाता

पटियाला। आम लोगों की सुविधा के लिए एक और नागरिक-केंद्रित पहल के तहत पंजाब के मुख्य मंत्री भगवंत सिंह मान ने यहां 8.55 करोड़ रुपए की लागत से बने अत्याधुनिक तहसील कॉम्प्लेक्स को जनता को समर्पित किया।

एस.डी.एम., तहसीलदार, नायब तहसीलदार और अन्य अधिकारियों के कार्यालयों वाली इस इमारत को जनता को समर्पित करते हुए मुख्य मंत्री ने कहा कि इस महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट का शिलान्यास जनवरी 2023 में किया गया था और इसे रिकॉर्ड समय में पूरा किया गया है। उन्होंने कहा कि यह प्रोजेक्ट समयबद्ध तरीके से नागरिक-केंद्रित सेवाएं प्रदान करके लोगों को बहुत लाभ पहुंचाएगा और साथ ही यह लोगों को उनके नजदीक प्रशासनिक सेवाएं प्राप्त करने की सुविधा देगा, जिससे उनका समय, पैसा और ऊर्जा बचेगी। भगवंत सिंह मान ने कहा कि दूधन साधां मुख्य रूप से एक ग्रामीण क्षेत्र है और पहले एस.डी.एम. का कार्यालय मिनी सचिवालय, पटियाला में स्थित था, जिसके कारण लोगों को अपने दैनिक प्रशासनिक कार्यों के लिए बहुत परेशानियों का सामना करना पड़ता था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब आम लोगों की सुविधा के लिए राज्य सरकार ने इस कॉम्प्लेक्स को यहीं बनाने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि यह बहुत गर्व और संतुष्टि की बात है कि लोगों की सुविधा के लिए पूरे राज्य में ऐसे आधुनिक तहसील कॉम्प्लेक्स बनाए जा रहे हैं। भगवंत सिंह मान ने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि पिछली सरकारों ने लोगों की बेहतर सेवा के लिए ऐसे प्रयासों पर कभी ध्यान नहीं दिया।

मुख्य मंत्री ने अफसोस जताया कि पहले राज्य की सत्ता गलत हाथों में थी, जिसके कारण राज्य को बहुत नुकसान उठाना पड़ा। उन्होंने कहा कि जब से हमारी सरकार ने कार्यभार संभाला है, तब से सरकार ने जनहित के ऐसे कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है।

भगवंत सिंह मान ने कहा कि ऐसी इमारतें लोगों की भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाई जा रही हैं।

सम्पादकीय

मोदी सरकार के 11 साल

भारतीय परंपरा में ग्यारह की संख्या शुभ मानी जाती है। पारिवारिक और धार्मिक समारोहों में शगुन के रूप में ग्यारह रूपए की भेंट देने की परंपरा इसी वजह से रही है। इस संदर्भ में प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल को शगुन काल भी कह सकते हैं। ग्यारह साल का वक्त कम नहीं होता। इस दौरान पीढ़ी भी बदल जाती है। ऐसे में इस पूरे दौर का जो मूल्यांकन होगा, उसे पीढ़ीगत नजरिए से भी देखना होगा, क्योंकि हर नई पीढ़ी का नजरिया बुजुर्गों से अलग होता है। इन अर्थों में देखेंगे तो प्रधानमंत्री मोदी और उनका कार्यकाल अनूठा लगेगा। मोदी और उनकी कार्यशैली पुरानी पीढ़ी को भी पसंद हैं और नई पीढ़ी के तो प्रेरक हैं ही। इसकी वजह है, उनकी अद्भुत संप्रेषण कला, जिसके जरिए वे सीधे लोगों के दिलों से जुड़ जाते हैं। नेहरू और इंदिरा के कार्यकाल के बाद लंबा कार्यकाल वाले प्रधानमंत्री की सूची में मोदी पहुंच चुके हैं। किसने सोचा था कि 1984 में महज दो लोकसभा सीटों तक सिमटने वाली भारतीय जनता पार्टी कभी लगातार तीन संसदीय चुनावों में बाजी मारती रहेगी। इसमें शक नहीं कि यह उपलब्धि भारतीय जनता पार्टी को मोदी के नेतृत्व से ही हासिल हुई है। अगर जनता ने मोदी पर लगातार भरोसा जताया तो इसकी वजह है उनकी कार्यशैली। 2014 की जीत में लोगों की उम्मीदें थीं। इन उम्मीदों की वजह विकास का उनका गुजरात मॉडल रहा। लोगों की उम्मीदों को पूरा करने की उन्होंने जो कोशिश की, 2019 में उसे जनता का भरपूर साथ मिला। उनमें भरोसे की वजह ही थी कि उन्हें और ज्यादा भारी बहुमत से रायसीना की पहाड़ियों के बीच शपथ लेने का मौका मिला। इस कड़ी में देखें तो 2024 में बहुमत से दूर रह जाना खटकता है। लेकिन नहीं भूलना चाहिए कि दस साल के कार्यकाल में आकांक्षाओं का उद्दाम होना स्वाभाविक है और सारी आकांक्षाओं का पूरा कर पाना भी संभव नहीं है। इसलिए कुछ लोग हो सकता है निराश भी रहे हों। जिसका असर चुनाव नतीजों पर दिखा। मोदी के कार्यकाल की कई उपलब्धियां हैं। मोटे तौर पर सबसे बड़ा जो बदलाव दिखता है, वह है कि इस पूरी अवधि में देश में कोई बड़ा भ्रष्टाचार नहीं दिखा। ऐसा नहीं कि सरकारी तंत्र से भ्रष्टाचार पूरी तरह खत्म हो गया है। जमीनी स्तर पर सरकारी तंत्र की सोच में पारंपरिक भ्रष्टाचारी गंध है। मोदी सरकार के कार्यकार में यह हुआ है कि भ्रष्टाचारियों पर शिकंजा कसता रहा है। इस शिकंजे से न तो अधिकारी बाहर हैं और न ही राजनेता। तकरीबन पूरे देश में सरकारी तंत्र के कामकाज का अपना तरीका रहा है, उसकी अपनी गति रही है। लेकिन मोदी के नेतृत्व में अब कामकाज का तरीका बदला है। इसे समझने के लिए हाल ही में हुए दुनिया के सबसे ऊंचे पुल के उद्घाटन समारोह को देख सकते हैं। चिनाब पुल के उद्घाटन के वक्त जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि जब इस परियोजना की शुरूआत हुई, तब वे आठवीं में पढ़ रहे थे, अब वे पचपन साल के हैं और अब जाकर यह पूरा हो पाया है। मोदी के ग्यारह साल के शासन में तंत्र का कामकाज का तरीका बदला है। अब वह ज्यादा अनुशासित और लक्ष्यों को वक्त पर पूरा करने को लेकर ज्यादा प्रतिबद्ध हुआ है। नौकरशाही में संजीदापन तो आया है, लेकिन इस पूरी प्रक्रिया में नौकरशाही पर सरकार के तंत्र के दूसरे अंगों की बजाय ज्यादा भरोसा बढ़ने की वजह से तटस्थ लोगों की नजर में ब्यूरोक्रेसी कई मामलों में बेलगाम भी हुई है। इसे संयोग ही कहेंगे कि जिस समय मोदी सरकार अपनी ग्यारहवीं सालगिरह मनाने जा रही है, उसी वक्त विश्व बैंक की एक रिपोर्ट आई है। इस रिपोर्ट के अनुसार, इस दौरान देश में गरीबों की संख्या 27.1 फीसद से घटकर 5.3 प्रतिशत रह गई है। इससे पहले बीते एक दशक में अत्यधिक गरीबी में जिंदगी गुजार रहे लोगों की दर 2011-12 में जहां 27.1 प्रतिशत रही, वह घट कर 5.3 फीसद रह गई है। यह तय हुआ है, जब विश्व बैंक ने गरीबी रेखा के लिए तीन डॉलर प्रतिदिन खर्च की सीमा कर दी है, जबकि इससे पहले यह सीमा 2.15 डॉलर प्रतिदिन थी। जाहिर है कि इससे पीछे 81 करोड़ लोगों को मुफ्त अन्न योजना के साथ ही उज्वला, मुद्रा आदि योजनाओं की कामयाबी रही है। मोदी सरकार की कई उपलब्धियां हैं। देश ने मेडिकल कॉलेजों के मोर्चे पर बड़ी सफलता हासिल की है। साल 2014 में जहां इन कॉलेजों की संख्या 387 थी, वह 2025 में बढ़कर 780 हो गई है। इसी तरह एमबीबीएस की सीटें भी 51,348 से बढ़कर 2024 में 1.18 लाख हो गई हैं। मोदी सरकार के कार्यकाल में बीजेपी के दावे के अनुसार, 17.1 करोड़ नई नौकरियां निकलीं। इस दौरान स्टार्टअप से 1.61 लाख युवाओं को रोजगार मिला। बीजेपी के दावे के अनुसार, सरकार की कौशल विकास मिशन के तहत अब तक 2.27 करोड़ से अधिक युवाओं को ट्रेनिंग मिल चुकी है। उज्वला योजना के तहत अब तक करीब दस करोड़ 28 लाख से ज्यादा गैस कनेक्शन दिए जा चुके हैं। मुद्रा योजना के तहत करीब 52करोड़ ऋण खाते खोले गए हैं, यानी करीब इतने लोगों को कर्ज मिल चुका है। इससे उद्यमशीलता को बढ़ावा मिला है। प्रधानमंत्री आवास, जन-धन और आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं ने देश में बदलाव लाने में बड़ी भूमिका निभाई है। देशभर में बारह करोड़ शौचालयों का निर्माण भी मामूली उपलब्धि नहीं है। मोदी सरकार की इन योजनाओं के चलते देश में बदलाव हुआ है। सबसे बड़ा बदलाव डीबीटी यानी सीधे कैश ट्रांसफर की योजनाओं ने ग्रामीण और कमजोर वर्गों तक शासन की योजनाओं की पहुंच बढ़ाई है। जापान को पछाड़कर भारत हाल ही में दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है।

जयंती

बलराज भल्ला

जन्म-10 जून, 1888, पंजाब; मृत्यु-26 अक्टूबर, 1956) भारत के प्रसिद्ध क्रांतिकारियों में से एक थे। इनके पिता महात्मा हंसराज प्रसिद्ध शिक्षाशास्त्री और 'डी. ए. वी. कॉलेज', लाहौर के प्रथम प्रधानाचार्य थे। बलराज भल्ला बड़े ही साहसिक थे और जोखिम उठाने को सदा तैयार रहते थे। जीवन के अंतिम दिनों में वे गाँधीजी के अनुयायी हो गए थे।

पुण्यतिथि

जीवन (अभिनेता)

जन्म-24 अक्टूबर, 1915, श्रीनगर; मृत्यु-10 जून, 1987) हिन्दी फिल्मों के प्रसिद्ध अभिनेता थे। उनका पूरा नाम 'ओंकार नाथ धर' था। उन्होंने फिल्मी पर्दे पर अपनी भूमिकाओं को बड़ी ही संजीदगी से निभाया। वैसे तो अभिनेता जीवन ने अधिकांश फिल्मों में खलनायक की भूमिका निभाई थी, लेकिन फिर भी एक भूमिका ऐसी थी जिसमें दर्शकों ने उन्हें देखना हमेशा पसंद किया। देवर्षि नारद के रूप में उनके द्वारा निभाई गई भूमिका को दर्शक कभी नहीं भूल पायेंगे। नारद मुनि के पौराणिक पात्र को अभिनेता जीवन ने 60 से भी अधिक फि ल्मों में पर्दे पर जीवंत किया।

कल मिलेंगे

पति-क्या तुम जानती हो दुनिया में सबसे ज्यादा शरीफ कौन है?
पत्नी-दुनिया में सिर्फ वही लोग शरीफ हैं...
जिनके मोबाइल में पासवर्ड नहीं है.

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।

RNI No. : DELHIN/2016/70240

Phone No.: 9871221635
E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com
(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

मीडिया की विश्वसनीयता पर उठते सवाल

-डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

आकाशवाणी का यह वह जमाना था जब टेलीप्रिंटर और टेलीफोन ही प्रमुख माध्यम होते थे। सूचना एवं जनसंपर्क निदेशालय से समाचारों की डाक आती थी वहीं प्रादेशिक समाचारों में समूचे प्रदेष के प्रमुख समाचारों का समावेश महत्वपूर्ण होता था। ऐसे में लगभग प्रतिदिन समाचार संपादक होने के बावजूद बिना किसी संकोच के फोन से समाचार लेने व स्वयं लिखने तक में संकोच नहीं करने के कारण ही मीडिया जगत में पहचान और विश्वसनीयता बनी

मीडिया की विश्वसनीयता पर उठते सवालों के बीच आकाशवाणी और बाद में दूरदर्शन के शुरूआती वे दिन बरवस याद आ जाते हैं जब आकाशवाणी के नेशनल और प्रादेशिक समाचारों के प्रति आमजन के विश्वास को इसी से समझा जा सकता है कि चौराहों की चाय-पान की दुकानों पर खड़े होकर भी समाचार सुनने में किसीको कोई संकोच ना होकर गर्व महसूस होता था। आकाशवाणी के नेशनल समाचारों की बात हो तो सुबह 8 बजे और रातः पौने नो बजे के समाचार बुलेटिनों की बेसब्री से प्रतीक्षा होती थी तो प्रातःकालीन प्रादेशिक समाचार के साथ ही खासतौर से सायंकालीन सात बजे के प्रादेशिक समाचार को कोई भी प्रदेषवासी मिस नहीं करना चाहता था। आकाशवाणी और दूरदर्शन का यह स्वर्णकाल इस मायने में कहा जा सकता है कि सरकारी नियंत्रण में होने के बावजूद आमआदमी तो क्या पक्ष और विपक्ष के नेतागण भी समाचारों की विश्वसनीयता पर प्रष्न नहीं उठा पाते थे। होता तो यहां तक था कि आकाशवाणी के कार्यक्रमों से लोग अपनी घड़ियों को मिलाया करते थे। विश्वसनीयता का यह कोई आसान काम नहीं था पर उस समय के दिग्गज मीडियाकर्मियों ने अपनी मेहनत, लगन और निष्पक्षता से सींचने का काम किया और उसका परिणाम यह रहा कि उस समय के मीडिया दिग्गजों को समूचे समाज में चाहे वह राजनीतिक स्तर हो, ब्यूरोक्रेटिक स्तर हो या फिर आमजन सभी जगह सम्मान से देखा जाता था। यदि प्रादेशिक स्तर की बात की जाए तो आकाशवाणी जयपुर अजमेर के समाचार संपादक और बादमें दूरदर्शन जयपुर केन्द्र के समाचार एकांश के निदेशक मोहनराज सिंघवी जिन्हे मीडिया जगत में एमआर सिंघवी के नाम से जाना जाता रहा है की मेहनत, निष्पक्षता और मीडिया की स्वतंत्रता की पक्षधरता का ही परिणाम रहा कि मीडिया जगत में एमआर सिंघवी एक ब्राण्ड के नाम से पहचान बनाने में कामयाब रहे। पक्ष-विपक्ष के सभी नेता, समाज के सभी वर्गों के प्रतिनिधियों सहित आमजन में जिस तरह की छवि एमआर सिंघवी की बनी वह आजके मीडिया कर्मियों के लिए ईर्च्छा का कारण बन सकती है तो प्रेरणास्पद भी है। बात में इतना दम की क्या तो मुख्यमंत्री से लेकर मंत्रीमण्डल के सदस्यगण और क्या ब्यूरोक्रेसी के कर्ताधर्ता एमआर सिंघवी की बात को कमतर समझने की भूल भी नहीं कर सकते थे।

यह आज के समय में अविश्वसनीय कल्पना ही हो सकती है कि 90 के दशक में एमआर सिंघवी के आकाशवाणी जयपुर पिंकसिटी पेट्रोलपंप के पास स्थित आवास पर मिलनेवाले जरुरतमंद लोगों का जमावड़ा इस तरह से लगा रहता था जैसे किसी राजनेता के निवास पर लगा होता था। पीड़ित व्यक्ति के लिए एमआर सिंघवी एक सहारा रहे हैं। इसका कारण भी यह रहा कि यदि काम जायज है और हितकारक है तो सिंघवी जी आने वाले व्यक्ति के सामने ही संबंधित मंत्री से लेकर अधिकारी को फोन करने में किसी तरह का संकोच नहीं करते थे और आने वाले व्यक्ति की आंखें एहसान से बोझिल हो जाती तो काम भी आसानी से हो जाता था। खासबात यह कि बिना जानपहचान भी कोई अपने दुखदर्द को लेकर पहुंच जाता था तो सहयोग करने में कोई कोरकसर नहीं छोड़ते। मैं स्वयं इसका उदाहरण हूं। किसी दिन आकाशवाणी के अनुबंध पर समाचार अनुभाग के लिए लिखित परीक्षा हुई और एक दिन एकाएक घर पर आकाशवाणी से अनुबंध का पत्र आ गया। डिप्लोमा भले ही पत्रकारिता में कर लिया हो पर अनुभव के मामलें में शून्य होने के बावजूद जिस तरह से सिंघवी जी ने मेरे जैसे को तराशा उसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। मजे की बात यह कि एमआर सिंघवी पोलियों से ग्रसित होने के कारण चलने फिरने में असुविधा के बावजूद किसी के भी सहयोग के लिए उनके साथ जाने को तैयार हो जाते। विकलांगों के लिए उन्होंने संघर्ष करने के साथ ही स्थानीय से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक के खेलों का आयोजन, संयोजन व प्रोत्साहन दिया। देवेन्द्र झाझड़िया तो एक उदाहरण मात्र है जिन्हें विश्वपटल पर पहचान सिंघवी जी की प्रेरणा-प्रोत्साहन और सहयोग से ही संभव हो सका।

आकाशवाणी का यह वह जमाना था जब टेलीप्रिंटर और टेलीफोन ही प्रमुख माध्यम होते थे। सूचना एवं जनसंपर्क निदेशालय से समाचारों की डाक आती थी वहीं प्रादेशिक समाचारों में समूचे प्रदेष के प्रमुख समाचारों का समावेश महत्वपूर्ण होता था। ऐसे में लगभग प्रतिदिन समाचार संपादक होने के बावजूद बिना किसी संकोच के फोन से समाचार लेने व स्वयं लिखने तक में संकोच नहीं करने के कारण ही मीडिया जगत में पहचान और विश्वसनीयता बनी। बुलेटिन में खबरों के चयन से लेकर प्रसारण तक तनावरहित वातावरण में काम करना और नए लोगों को प्रोत्साहित करना यही तो सिंघवी जी की पहचान रही। हिम्मत यह कि जयपुर दूरदर्शन निदेशक समाचार रहते हुए तत्कालीन केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री स्व. गिरिजा व्यास के जयपुर में एक ब्यूटीपार्लर के उद्घाटन के समाचार प्रसारित करने के दबाव के बावजूद मीडिया मानदंडों के विरुद्ध बताते हुए प्रसारित नहीं करना सिंघवी जैसे बिड़ला ही कर सकते हैं। इसी तरह से तत्कालीन मुख्यमंत्री जगन्नाथ पहाडिया के पिताजी के देहावसन के समाचार प्रसारण के लिए लाख दबाव के बावजूद विनम्रता से नीति विरुद्ध जाकर समाचार प्रसारित नहीं करने का निर्णय कोई सिंघवी जैसा ही ले सकता है। आज तो केन्द्रीय मंत्री वो भी स्वयं का माईबाप यानी कि स्वयं के विभाग का हो तो उसकी खबर तो क्या आगे पीछे सेवा सुश्रुषा में ही लगे रहने में गर्व महसूस करते हैं। इसीलिए कहा जाता है कि एमआर सिंघवी कोई ऐसे ही नहीं बनता, कोई ऐसे ही राजनेताओं, पक्ष विपक्ष के छोटे से लेकर बड़े नेताओं, ब्यूरोक्रेट्स सभी के लिए सम्मानजनक अपनी कार्यशैली, निष्पक्षता, निष्ठा और मेहनत से ही बना पाता है। प्रदेश का संभवतः कोई छोटा-बड़ा नेता या अधिकारी ऐसा नहीं होगा जो एमआर सिंघवी के नाम, पहचान और उनकी कार्यशैली का कायल नहीं होगा। इतने विस्तृत केनवास पर पहचान और विश्वसनीयता कोई ऐसे नहीं बन जाती बल्कि यह ईमानदारी, निस्वार्थता और सहायता और सहयोग की भावना के कारण ही हो पाता है। यही सिंघवी जी की पूंजी मानी जा सकती है। समाचार में समाचारत्व है तो उसे बिना किसी पक्षपात के स्थान मिलता वहीं तत्कालीन राज्यपाल जोगेन्द्र सिंह द्वारा रिकार्ड वाइस ओवर प्रसारित कराने के दबाव के बावजूद स्तरीय नहीं होने से प्रसारित नहीं करने का साहस कोई एमआर सिंघवी ही कर सकता है।

यह सब इसलिए कि आज मीडिया की विश्वसनीयता सवालों के घेरे में खड़ी हो गई है। खासतौर से इलेक्ट्रोनिक चैनलों की विश्वसनीयता पूरी तरह से दाव पर लग चुकी है। चैनलों पर बेसिरफेर की चर्चा और आरोप-प्रत्यारोप का मंच बनना आज आम हो गया है। रही सही कसर सोशियल मीडिया ने कर दी है जहां अपलोड सामग्री भ्रम पैदा करने का काम करने के साथ ही उसकी विश्वसनीयता पर भी सवाल खड़ी कर देती है यही कारण है कि चैनलों पर समाचार प्रसारित होते समय वीडियो की विश्वसनीयता पर स्वयं चैनल द्वारा सवाल खड़े किया जाना आम है। होना तो यह चाहिए कि जब तक समाचार संपादक स्वयं संतुष्ट नहीं हो जाए तब तक केवल टीआरपी के चक्कर में ऐसे समाचार व वीडियो को प्रसारित ही नहीं करना चाहिएं। क्योंकि यह सवाल दर्शकों के विश्वास को बनाए रखने का हो जाता है। एक समय था जब कोई भी बड़ी घटना हो जाती थी तो लोग आकाशवाणी के आगामी समाचार बुलेटिन पर कान लगाकर पुष्टि होने पर ही विश्वास करते थे। आज अपुष्ट समाचार आम होते जा रहे हैं।

आकाशवाणी के पुराने दिनों और एमआर सिंघवी जैसे व्यक्तित्व व संपादकों के बहाने आज मीडिया की विश्वसनीयता का वहीं पुराना युग देखने का प्रयास किया जाना चाहिए। प्रसारित समाचार की विश्वसनीयता पर कोई सवाल उठता है तो फिर यह मीडिया के लिए किसी चुनौती से कम नहीं होना चाहिए। मीडिया जगत को आज एमआर सिंघवी जैसे मीडिया दिग्गज की आवश्यकता महसूस हो रही है ताकि मीडिया चाहे इलेक्ट्रोनिक हो या प्रिंट उस पर प्रसारित या प्रकाशित समाचार को वेदवाक्य की तरह विश्वसनीय माना जाए। बदलते हालात में आज यह आवश्यकता अधिक हो गई है क्योंकि समाज आज भ्रमित अधिक हो रहा है तो मीडिया और सोशियल मीडिया ने विश्वसनीयता को ही प्रष्नों के घेरे में खड़ा कर दिया है। समाचार पर प्रश्न उठने की कोई संभावना ही नहीं होनी चाहिए।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

सशक्त, समृद्ध, आत्मनिर्भर और विकसित भारत निर्माण के लिए कार्य करते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

-दीपक कुमार त्यागी

मोदी सरकार की प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जन धन योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजन, प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना आदि ने देश में धरातल पर बड़ा सकारात्मक बदलाव करने का कार्य किया है

हमारे प्यारे देश भारत के आम जनमानस के साथ-साथ दुनिया भर के लोगों के बीच मे नरेन्द्र मोदी की छवि एक ऐसे सख्त प्रशासक, कुशल राजनेता की बन गई है, जिसके लिए देशहित सर्वोपरि है, इस छवि के दम पर ही नरेन्द्र मोदी देश में तीसरी बार प्रधानमंत्री पद पर आसीन हुए हैं और मोदी के नेतृत्व में चल रही केन्द्र सरकार को 9 जून 2025 को 11 वर्ष पूर्ण हो गये है। अपने इस 11 वर्ष के कार्यकाल के दौरान नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने बहुत सारे ऐसे कार्य कर के दिखाएं है, जिन्होंने इतिहास रचने का कार्य कर दिया है। नरेन्द्र मोदी ने बिना किसी के जोर दवाब में आये ऐतिहासिक कार्यों को अमलीजामा पहनाने का कार्य बखूबी करके दिखाया है। जिसके चलते ही देश-दुनिया में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की गिनती कुछ करके दिखाने वाली सरकार के रूप में होती है।

वैसे भी देखा जाए तो जिस वक्त नरेन्द्र मोदी ने गुजरात से आकर के 26 मई 2014 को दिल्ली के राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक भव्य समारोह में प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी, उस वक्त देश व दुनिया के बहुत सारे लोगों के मन में एक सवाल बार-बार कोंध रहा था कि आखिरकार लोकसभा के चुनाव प्रचार के दौरान नरेन्द्र मोदी ने जिस तरह से भारत को सशक्त, समृद्ध, आत्मनिर्भर और विकसित नव भारत के निर्माण करने का सपना आम जनमानस को दिखाया है, क्या यह सपना कभी पूरा हो पायेगा। लेकिन प्रधानमंत्री के रूप में नरेन्द्र मोदी इस सपने को धरातल पर उतारने के लिए अपने प्रथम कार्यकाल 26 मई 2014 से ही निरंतर कार्य कर रहे हैं, जिसके चलते ही देश के आम जनमानस ने मोदी के नेतृत्व में दूसरी व तीसरी बार सरकार बनाने का अवसर दिया था और मोदी ने 30 मई 2019 को दूसरी बार व 9 जून 2024 को तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। आम जनता की अदालत में 11 वर्ष बीतने के बाद भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता देश के अन्य सभी राजनेताओं पर भारी है। आम व खास दोनों वर्गों के लोग नरेन्द्र मोदी के विजन व नीति से अभी भी प्रभावित नजर आते हैं।

हाल ही में नरेन्द्र मोदी सरकार ने अपनी 11 वर्ष की विकास गाथा को 176 पेज की एक पुस्तिका में लिखकर जारी करने का कार्य किया है। जिसमें मोदी सरकार ने देश की दशा व दिशा बदलने की प्रमुख योजनाओं का जिक्र किया है। इसमें नरेन्द्र मोदी सरकार के कार्यकाल को सेवा, सुशासन व गरीब कल्याण के 11 वर्ष बताते हुए कहा गया है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में देश में मजबूत बुनियादी ढांचे के विकास से लेकर के, सामाजिक न्याय की योजनाएं, वंचितों की सेवाएं की योजनाएं, महिलाओं को सशक्त बनाने की योजनाएं, किसानों को उनका हक दिलाने की योजनाएं, देश के भविष्य युवाओं को अवसर देने की योजनाएं, देश की आंतरिक व बाह्य सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं को अमलीजामा पहनाया गया, जिनका ब्यौरा इस पुस्तिका में दिया गया है।

वैसे मोदी सरकार के कुछ कार्यों को देखें तो देश की आंतरिक व बाह्य सुरक्षा को सुदृढ़ करने के लिए मोदी सरकार ने बहुत काम किया है, मोदी सरकार ने देश के कुछ हिस्सों में दशकों से बेखौफ होकर के अपना राज चला रहे नक्सलियों की कमर तोड़ने का कार्य किया, जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद पर लगाम लगाने का कार्य किया है। आतंकियों के खिलाफ सीमा पार पाकिस्तान में घुसकर सर्जिकल स्ट्राइक व आपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया है। अनुच्छेद 370 को समाप्त करके जम्मू-कश्मीर के नागरिकों को उनका हक दिया है। देश में जातिगत जनगणना कराने के निर्णय, दशकों से लंबित महिला आरक्षण बिल आदि को मोदी सरकार के ऐतिहासिक निर्णय बताया गया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार मुख्य रूप से 14 बिंदुओं पर कार्य कर रही है, इसमें देश में गरीबों की सेवा वंचितों का सम्मान, किसानों का कल्याण सुनिश्चित करना, नारी शक्ति को मिला नया बल, भारत की अमृत पीढ़ी हो रही सशक्त, मध्यवर्ग का जीवन हुआ आसान, सभी के लिए सस्ती व सुलभ स्वास्थ्य सेवा, राष्ट्र प्रथम विदेश नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा, भारत को वैश्विक आर्थिक महाशक्ति बनाना, इज ऑफ डूइंग बिजनेस से कारोबार को लगे पंख, इंफ्रास्ट्रक्चर तेजी से हो रहा बेहतर, टेक्नोलॉजी से भारत को नई शक्ति, नॉर्थ ईस्ट बन रहा विकास का नया इंजन, विरासत व विकास, पर्यावरण एवं सतत विकास हैं। मोदी सरकार का लक्ष्य भारत को दुनिया की एक ताकतवर आर्थिक महाशक्ति बनाने का है, जिसके लिए वह निरंतर कार्य कर रही और उन कार्यों के दम से ही भारत आज विश्व में चौथे पायदान पर आ चुका है। मोदी सरकार का लक्ष्य है देश से गरीबी को खत्म करना, हाल ही में प्रकाशित विश्वबैंक की एक रिपोर्ट के अनुसार देश में अत्यधिक गरीबी में कमी आयी है, मोदी सरकार के प्रयासों से गरीबी रेखा से 27 करोड़ लोग पिछले 11 वर्ष में बाहर हुए हैं। मोदी सरकार सशक्त, समृद्ध, आत्मनिर्भर व विकसित भारत का निर्माण करने के लिए देश में सर्वांगीण विकास पर जोर दे रही है। किसानों, महिला, युवाओं व सामाजिक क्षेत्र, आर्थिक क्षेत्र व इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के लिए महत्वपूर्ण कार्य कर रही है।

मोदी सरकार की प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जन धन योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजन, प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना आदि ने देश में धरातल पर बड़ा सकारात्मक बदलाव करने का कार्य किया है। मोदी सरकार के स्वच्छ भारत मिशन, जल जीवन मिशन, डिजिटल क्रांति, मेक इन इंडिया, जन औषधि केन्द्र, फसल के एमएसपी के द्वारा किसानों की आय की गारंटी, मखाना बोर्ड, जनजातियों का सशक्तिकरण-ग्राम समृद्धि, दालों में आत्मनिर्भरता के लिए मिशन चलाना, पीएम धन-धान्य कृषि योजना, ग्रामीण विद्युत आपूर्ति, किफायती यूरिया, भारत को पंख (उड़ान 2.0 की उड़ान और तेज हुई), विमानन क्षेत्र में नया युग, कश्मीर घाटी में बंदे भारत जम्मू-श्रीनगर रेल लाइन, चिनाब नदी पर विश्व का अजूबा रेलवे ब्रिज, विमानन क्षेत्र में एक नया युग, साइबर सुरक्षित भारत और आधार आईटी, प्रधानमंत्री विद्यालक्ष्मी योजना, प्रधानमंत्री ई ड्राइव आदि ने देशवासियों को जीवन बेहतर करने का कार्य किया है। मोदी सरकार के मिशन चंद्रयान ने दुनिया में भारत का अंतरिक्ष के क्षेत्र में डंका बजाने का कार्य किया है।

मोदी सरकार ने देश में सर्वांगीण विकास को तरजीह देते हुए विश्व स्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण पर भारी-भरकम रकम खर्च की है। देश में हाईवे व एक्सप्रेसवे का विश्वस्तरीय जाल बना देना मोदी सरकार की बहुत बड़ी उपलब्धि है। देश में बहुत सारे छोटे व बड़े एयरपोर्टों का निर्माण करके मोदी सरकार ने पूरे देश को चंद घंटों में जोड़ने का कार्य कर दिया है। रेलवे स्टेशन से लेकर के रेलवे नेटवर्क के विकास व आधुनिकीकरण का कार्य बड़े पैमाने पर कार्य चल रहा है, जो अच्छा संकेत है। देश में धार्मिक पर्यटन को नये आयाम देते हुए मोदी सरकार ने बहुत कार्य किये हैं, भव्य राम मंदिर का निर्माण, काशी-विश्वनाथ मंदिर कॉरिडोर इसकी एक कहानी है। वहीं स्टैचू ऑफ यूनिटी, नया संसद भवन, भारत मंडपम्, वार मेमोरियल का निर्माण मोदी सरकार उपलब्धि है। मोदी सरकार में सौर ऊर्जा पर बड़े पैमाने पर कार्य चल रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन से मोदी सरकार में देश में विकास के नित-नए आयाम स्थापित होते हुए धरातल पर स्पष्ट रूप से नजर आ रहे हैं।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

बांग्लादेश सचिवालय और आस-पास के इलाकों को किया गया सील

(एजेन्सी)।

बांग्लादेश। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेश की अंतरिम सरकार को विपक्षी दलों, सिविल सेवकों, शिक्षकों और सेना के साथ असंतोष के संकेतों के बीच तीव्र विरोध का सामना करना पड़ रहा है। वहीं ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस (डीएमपी) ने राजधानी की सत्ता के केंद्र में सभी सार्वजनिक समारोहों, जुलूसों और रैलियों पर व्यापक प्रतिबंध लगा दिया है। द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने सोमवार को मोहम्मद यूनुस के आधिकारिक निवास जमुना गेस्ट हाउस, बांग्लादेश सचिवालय और आसपास के इलाकों को अनिश्चित काल के लिए सील कर दिया।

सुरक्षा बंदोबस्ती ढाका सचिवालय में सिविल सेवकों और अधिकारियों द्वारा यूनुस सरकार के अध्यादेश के खिलाफ हफ्तों से चल रहे लगातार विरोध प्रदर्शनों के बीच की गई है, जो बिना किसी उचित प्रक्रिया के 14 दिनों के भीतर कदाचार के लिए उन्हें बर्खास्त करने की अनुमति देता है। सिविल सेवकों ने इसे "अवैध काला कानून" करार दिया और इसे तत्काल निरस्त करने की मांग की। बीडी24न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, डीएमपी आयुक्त एसएम सजात अली के अनुसार, सेंट्रल ढाका इलाके में विरोध प्रदर्शन और रैलियों पर प्रतिबंध "सार्वजनिक व्यवस्था और मुख्य सलाहकार (मुहम्मद यूनुस) की सुरक्षा के हित में है।

मध्य ढाका में विरोध प्रदर्शनों पर नवीनतम प्रतिबंध 10 मई को जारी किए गए इसी तरह के निर्देश के बाद लगाया गया है, जब अंतरिम सरकार ने प्रमुख सरकारी प्रतिष्ठानों की सुरक्षा के लिए बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) और पुलिस की स्वाट इकाइयों सहित अर्धसैनिक बलों को तैनात किया था। फि लहाल, ईद ने विरोध प्रदर्शनों की तीव्रता में अस्थायी विराम लगा दिया है, लेकिन ढाका स्थित न्यूएजबीडी की रिपोर्ट के अनुसार, सिविल सेवकों ने चेतावनी दी है कि अगर 15 जून तक उनकी मांगें पूरी नहीं की गईं तो वे और भी कड़ा आंदोलन करेंगे। 8 अगस्त, 2024 से सत्ता में काबिज यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेश की अंतरिम सरकार बढ़ती चुनौतियों और विरोधों से जूझ रही है। यूनुस ने व्यापक न्यायिक और संस्थागत सुधारों और अप्रैल 2026 के पहले सप्ताह तक स्वतंत्र चुनाव कराने का वादा किया है।

सेबी ने मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज पर तीन लाख रुपये का जुर्माना लगाया

(एजेन्सी)।

बाजार नियामक सेबी ने सोमवार को शेयर ब्रोकरों के मानदंडों का उल्लंघन करने के लिए मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड पर तीन लाख रुपये का जुर्माना लगाया। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने अपने आदेश में कहा कि जुर्माना 45 दिनों के भीतर चुकाया जाना चाहिए। नियामक ने अप्रैल 2022 से जनवरी 2024 के दौरान मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड का विषयगत निरीक्षण किया। सेबी ने अपनी जांच में पाया कि अधिकृत स्थानों पर ट्रेडिंग टर्मिनल नहीं थे। सेबी ने कहा कि निरीक्षण के दौरान 13 टर्मिनल (एनएसई) बताए गए स्थान पर नहीं पाए गए। इसके अलावा कुछ अन्य उल्लंघन भी पाए गए, जिनके लिए कुल तीन लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया।

इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबले से पहले ऋषभ पंत ने जड़ा सिक्स

(एजेन्सी)।

भारतीय टीम इस समय इंग्लैंड दौरे पर है जहां दोनों टीमों के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। लेकिन उससे पहले टीम इंडिया तैयारियों में जुट गई है। इस दौरान ऋषभ पंत को टीम में बड़ी जिम्मेदारी दी गई है। पंत को भारत की टेस्ट टीम का उपकप्तान बनाया गया है। इंग्लैंड पहुंचते ही टीम इंडिया ने प्रैक्टिस करनी शुरू कर दी है। इस दौरान पंत भी मैदान पर नजर आए उन्होंने इतना जोरदार छक्का मारा कि स्टेडियम में बनी छत ही टूट गई। पंत के इस शॉट का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है।

ऋषभ पंत पूरी टीम के साथ इंग्लैंड में प्रैक्टिस कर रहे हैं। नेट्स में प्रैक्टिस करते हुए पंत ने इतना दमदार शॉट मारा कि स्टेडियम की छत टूट गई। वहीं गेंदबाज भी पंत का छक्का देखकर हैरान रह गया।

ऋषभ पंत के लिए आईपीएल का 18वां सीजन अच्छा नहीं रहा। वह आईपीएल 2025 के सबसे महंगे खिलाड़ी रहे लेकिन उसके मुताबिक वह प्रदर्शन नहीं कर पाए। उनके बल्ले से ना तो रन निकले और ना ही वो अपनी टीम को प्लेऑफ में पहुंचा पाए। पंत ने आईपीएल 2025 में 14 मैचों में 24.45 की औसत से 269 रन बनाए।

पंत के 269 रनों में एक शतक और एक अर्धशतक शामिल है। वहीं पंत के बल्ले से एक शतक लीग मैचों के आखिरी मुकाबले में आया, जिससे ये अनुमान लगाया जा रहा है कि पूरा आईपीएल सीजन फ्लॉप जाने के बाद अब पंत की फॉर्म वापसी लौट आई है।

तीन साल में यूक्रेन के लिए सबसे डरावनी रात! एक साथ पुतिन ने 479 ड्रोन दाग दिए

(एजेन्सी)।

युद्ध की शुरूआत के बाद से अब तक के सबसे बड़े हवाई हमले में रूस ने यूक्रेन पर रात भर में 479 ड्रोन और 20 मिसाइलें दागीं, यूक्रेनी वायु सेना ने सोमवार को कहा। मॉस्को के ग्रीष्मकालीन आक्रमण के ताजा विस्तार में ये हमले मध्य और पश्चिमी क्षेत्रों को निशाना बनाकर किए गए। बताया गया कि यूक्रेन की वायु रक्षा प्रणाली ने 277 ड्रोन और 19 मिसाइलों को मार गिराया। वायु सेना के एक बयान में दावा किया गया कि केवल 10 ड्रोन या मिसाइलों ने ही अपने लक्ष्य को हिट किया। हालांकि, इस दावे की पुष्टि अब तक नहीं हो पाई है। रूस का दावा है कि उसने केवल सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया था।

वायु सेना के अनुसार यूक्रेन की वायु रक्षा प्रणालियों ने 277 ड्रोन और 19 मिसाइलों को रोका। केवल 10 प्रोजेक्टाइल अपने लक्षित लक्ष्यों पर लगे, जबकि एक व्यक्ति के घायल होने की सूचना मिली। इन आँकड़ों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की जा सकी। हमलों की यह लहर ऐसे समय में आई है जब यूक्रेन को अपनी 1,000 किलोमीटर की अग्रिम पंक्ति पर बढ़ते दबाव का सामना करना पड़ रहा है, खासकर पूर्वी और उत्तरपूर्वी क्षेत्रों में। राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने रविवार रात स्वीकार किया कि कुछ क्षेत्रों में युद्ध के मैदान की स्थिति "बहुत कठिन" है।

क्रेमलिन ने यूक्रेन द्वारा हाल ही में रूसी क्षेत्र के अंदर हवाई ठिकानों पर ड्रोन हमले के बाद अपने हमलों को तेज कर दिया है। जवाब में, रूस ने रिव्ने में डबनो एयर बेस पर हमले सहित यूक्रेनी सैन्य बुनियादी ढांचे पर हमले शुरू किए हैं। यूक्रेन की सेना ने दावा किया है कि विशेष अभियान बलों ने रूस के निजनी नोवगोरोड क्षेत्र में सवासलेका हवाई क्षेत्र में दो रूसी लड़ाकू विमानों को मार गिराया। रूसी सरकार ने इस दावे पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

हाउसफुल 5 ने तीन दिन में बॉक्स ऑफिस पर कमाए 91.83 करोड़ रु

(एजेन्सी)।

अक्षय कुमार, नाना पाटेकर और जैकलीन फर्नांडिस अभिनीत फिल्म 'हाउसफुल 5' ने रिलीज होने के पहले सप्ताहांत में घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 91.83 करोड़ रुपये की कमाई की है। निमार्ताओं ने सोमवार को यह जानकारी दी। साजिद नाडियाडवाला के प्रोडक्शन बैनर नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित इस फिल्म का निर्देशन तरुण मनसुखानी ने किया है। हाउसफुल 5 सिनेमा घरों में छह जून को रिलीज हुई थी। इस फिल्म में सोनम बाजवा, नरगिस फाखरी, सौंदर्या शर्मा, जैकी श्रॉफ, रितेश देशमुख, फरदीन खान और संजय दत्त ने भी अभिनय किया हैं। प्रोडक्शन बैनर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर फिल्म की बॉक्स ऑफिस पर कमाई के बारे में जानकारी साझा की।

प्रोडक्शन बैनर ने पोस्ट में लिखा, हाउसफुल 5 ने पहले दिन 24.35 करोड़ रु और अगले दिन 32.38 करोड़ रुपये की कमाई की। तीसरे दिन इसने 35.10 करोड़ रुपये की कमाई की है।

लोकतंत्र के चतुर्थ स्तंभ से डीएम हुए रूबरू, प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दी भविष्य की कार्य योजनाओं की जानकारी

एसबी ब्यूरो प्रमुख/मृगांक शेखर सिंह जमुई। जमुई के जिलाधिकारी नवीन ने समाहरणालय स्थित संवाद कक्ष में परिचयात्मक संवाददाता सम्मेलन आयोजित कर महत्वपूर्ण जानकारियां दी। डीएम ने कहा कि वे पिछले कई दिनों से जमुई जिला का परिभ्रमण कर रहे हैं। उन्होंने इस दरम्यान लछुआड़, भगवान महावीर की जन्म स्थली जन्मस्थान, गढ़ी डैम, नेतुला मंदिर, झुमराज स्थान, महावीर वाटिका, चकाई प्रखंड मुख्यालय, ई. अलीगंज प्रखंड अंतर्गत पतसंडा आदि इलाकों का अवलोकन किए जाने की जानकारी देते हुए कहा कि जिला के अधिकांश हिस्सों को वे देख चुके हैं और वांछित समस्याओं को भी आत्मसात किया है। उन्होंने पतसंडा में व्याप्त पेयजल संकट के निदान के लिए जरूरी उपाय किए जाने की जानकारी देते हुए कहा कि समाहरणालय के समक्ष स्थित हरियाली पार्क का भी जीर्णोद्धार किए जाने हेतु महत्वपूर्ण प्रयास किए जाएंगे।

महावीर वाटिका का भी 50 एकड़ से ज्यादा भूमि पर विस्तार किए जाने की योजना है। जमुई और झाझा शहर में सीसीटीवी कैमरे दुरुस्त किए जाएंगे। जमुई में स्ट्रीट लाइट को भी तकनीकी रूप से स्वस्थ किया जाएगा। रेत के अवैध खनन पर भी यथोचित कार्रवाई होगी। डीएम ने प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया को अपना आंख एवं कान बताते हुए कहा कि जमुई के सर्वांगीण विकास के लिए आपसे सकारात्मक सहयोग की अपेक्षा है। उन्होंने बारी-बारी से कलमकारों का परिचय जाना और स्वयं भी उपस्थित जनों को अपनी जानकारी दी।

इस दौरान एडीएम रविकांत सिन्हा, ओएसडी नागमणि कुमार वर्मा, डीपीआरओ भानू प्रकाश आदि अधिकारी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

राज्यपाल ने बाबा बंदा सिंह बहादुर और भगवान बिरसा मुंडा को उनके शहीदी दिवस पर दी श्रद्धांजलि

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

चंडीगढ़। हरियाणा के राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय ने आज भारतीय इतिहास के दो महान नायकों, बाबा बंदा सिंह बहादुर और भगवान बिरसा मुंडा को उनके शहीदी दिवस पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने उत्पीड़न के खिलाफ उनके साहसी संघर्ष और सामाजिक न्याय के लिए उनके अमर बलिदान को याद किया। राज्यपाल ने कहा कि आज हम बाबा बंदा सिंह बहादुर के अद्वितीय साहस और बलिदान का सम्मान करते हैं, जिन्होंने पंजाब में न्याय और स्वशासन की नींव रखी और मुगलों के अत्याचार के खिलाफ डटे रहे। धर्म के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता और उनका सर्वोच्च बलिदान पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। श्री दत्तात्रेय ने भगवान बिरसा मुंडा के योगदान को भी स्मरण किया, जिन्होंने ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के खिलाफ आदिवासी समुदायों का नेतृत्व किया।

'13 जून को बाल दिवस का राज्य स्तरीय पुरस्कार वितरण समारोह होगा करनाल में'

राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय व मुख्यमंत्री नायब सैनी की धर्मपत्नी सुमन सैनी करेंगी कार्यक्रम में शिरकत

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद चंडीगढ़ द्वारा बाल दिवस-2024 के उपलक्ष में राज्य स्तरीय पुरस्कार वितरण समारोह 13 जून, 2025 को करनाल में आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि हरियाणा के महामहिम राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय व विशिष्ट अतिथि के तौर पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की धर्मपत्नी सुमन सैनी शिरकत करेंगी। कार्यक्रम हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की मानद महासचिव सुषमा गुप्ता की अध्यक्षता में होगा।

सोमवार को इस कार्यक्रम के संबंध में करनाल सीटीएम मोनिका ने बाल कल्याण परिषद के अधिकारियों व अन्य विभाग के अधिकारियों की बैठक ली। बैठक के दौरान उन्होंने कार्यक्रम के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि डीसी करनाल एवं अध्यक्ष जिला बाल कल्याण परिषद उत्तम सिंह के मार्गदर्शन में राज्य स्तरीय पुरस्कार वितरण कार्यक्रम 13 जून,2025 को करनाल के मंगल सेन सभागार में आयोजित होगा। इस कार्यक्रम में हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद द्वारा बाल दिवस-2024 में विजेता बच्चे हिस्सा लेंगे। प्रदेशभर से बच्चे इस कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। उन्हें माननीय राज्यपाल श्री बंडारू दतात्रेय व राज्य बाल कल्याण परिषद की उपाध्यक्ष सुमन सैनी पुरस्कार देंगी। बाल कल्याण अधिकारी सरोज बाला ने बताया कि राज्य स्तरीय पुरस्कार वितरण समारोह सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बीच आयोजित होगा। इस दौरान विभिन्न जिलों से आए बच्चे अपनी-अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देंगे। गर्मी के मौसम के मद्देनजर विभाग द्वारा बच्चों के लिए पीने का पानी व खाने की व्यवस्था कर रखी है। छात्र विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां मुख्य अतिथि के समक्ष देंगे। बाल कल्याण अधिकारी सरोज बाला ने बताया कि हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद चंडीगढ़ द्वारा बाल दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। यह कार्यक्रम जिला स्तर पर आयोजित होते हैं, जिसमें बड़ी संख्या में स्कूली छात्र-छात्राएं हिस्सा लेती हैं। इन कार्यक्रमों का आयोजन करना छात्रों के मनोबल और आत्मविश्वास को बढ़ाना है। ऐसे आयोजन छात्रों के विकास में अहम भूमिका निभाते हैं। छात्र के सर्वांगीण विकास में हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद अहम भूमिका निभाग रहा है।

जिला बाल कल्याण अधिकारी सतीश कुमार ने बताया कि यह हमारे लिए गर्व की बात है कि इस बार का राज्य स्तरीय पुरस्कार वितरण समारोह करनाल में आयोजित हो रहा है। इसे लेकर जिला स्तर पर तैयारियां जारी है। बेहतर ढंग से कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

इस मौके पर अकाउंट आफिसर कमल, लेखाकार अनुज कुमार व अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

'युद्ध नशों विरुद्ध' कैबिनेट सब कमेटी ने 200 काउंसलरों की नियुक्ति और पैनल में निजी मनोचिकित्सकों की नियुक्ति को दी मंजूरी

आधुनिक सुविधाओं के साथ 1000 बिस्तरों के अपग्रेडेशन को भी दी मंजूरी

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

चंडीगढ़। 'युद्ध नशों विरुद्ध' (नशीले पदार्थों के खिलाफ युद्ध) पर मंत्रिमंडल सब-कमेटी ने सोमवार को नशा पीड़ितों के इलाज के लिए मजबूत व्यवस्था स्थापित करने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए। यह महत्वपूर्ण कदम इसलिए उठाया गया है क्योंकि चल रहा अभियान की सफलता के चलते नशीले पदार्थों की आपूर्ति श्रृंखलाओं को बाधित किया है, जिससे इलाज चाहने वाले व्यक्तियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

वित्त मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा, डॉ. बलबीर सिंह, तरूनप्रीत सिंह सोंद, मुख्य सचिव के.ए.पी. सिन्हा, प्रमुख सचिव वित्त कृष्ण कुमार, प्रमुख सचिव स्वास्थ्य कुमार राहुल, डीजीपी पंजाब गौरव यादव और सचिव व्यय वी.एन. जादे उपस्थित थे। बैठक में राज्य के स्वास्थ्य सेवा बुनियादी ढांचे को मजबूत करके नशा मुक्ति सेवाओं की बढ़ती मांग को संपूर्ण किया गया।

सरकारी नशा मुक्ति केंद्रों और अस्पतालों में इलाज चाहने वाले नशा पीड़ितों की संख्या में कई गुना वृद्धि को देखते हुए, सब-कमेटी ने क्षमता बढ़ाने और चिकित्सा सहायता को बढ़ावा देने के लिए तेजी से कदम उठाए हैं। निर्णयों में छह महीने के लिए अस्थायी आधार पर 200 मनोवैज्ञानिकों की तत्काल भर्ती शामिल है, जिसमें स्वास्थ्य विभाग को इस बीच स्थायी भर्ती सुनिश्चित करने का काम सौंपा गया है। इसके अतिरिक्त, आवश्यकतानुसार विभिन्न जिलों में मनोचिकित्सकों को सूचीबद्ध किया जाएगा, जिन्हें प्रतिदिन दो घंटे के लिए 3000 रुपये मिलेंगे, जो 1500 रुपये प्रति घंटे की दर से होगा, ताकि नशा छोड़ने का प्रयास करने वाले व्यक्तियों को आवश्यक सहायता प्रदान की जा सके। सब-कमेटी ने स्वास्थ्य विभाग को सभी आवश्यक स्वास्थ्य कर्मचारियों की भर्ती के लिए एक सप्ताह के भीतर एक व्यापक प्रस्ताव प्रस्तुत करने का भी निर्देश दिया है।

बैठक के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने नशा पीड़ितों के इलाज के लिए बुनियादी ढांचे के विस्तार का विवरण दिया। सरकारी अस्पतालों और नशा मुक्ति केंद्रों में बिस्तरों की संख्या 1000 बढ़ा दी गई है। इसके अलावा, यदि सरकारी केंद्रों की क्षमता का पूरी तरह से उपयोग हो जाता है, तो निजी नर्सिंग संस्थानों और नशा मुक्ति केंद्रों की सेवाओं का अतिरिक्त 1000 बिस्तरों के लिए उपयोग किया जाएगा, जिसका खर्च सरकार वहन करेगी।

वित्त मंत्री ने 1 मार्च से 8 जून तक 'युद्ध नशों विरुद्ध' अभियान के तहत नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ की गई कड़ी कार्रवाई पर भी अद्यतन जानकारी प्रदान की। अब तक एनडीपीएस के तहत 9580 मामले दर्ज किए गए हैं और 16348 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। नशीले पदार्थों के तस्करों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई है, जिससे नशीले पदार्थों के व्यापार में शामिल 118 व्यक्तियों की संपत्तियों को ध्वस्त कर दिया गया है। इस अवधि के दौरान, अवैध पदार्थों की महत्वपूर्ण मात्रा बरामद की गई है, जिसमें 622 किलोग्राम हेरोइन, 14976 किलोग्राम पोस्त का भूसा, 252 किलोग्राम अफीम, 264 किलोग्राम गांजा और 26,49,847 नशीली गोलियां शामिल हैं।

वित्त मंत्री चीमा ने जोर दिया कि 'युद्ध नशों विरुद्ध' अभियान एक जन आंदोलन में बदल गया है, जिसमें नागरिक लगातार नशीले पदार्थों के तस्करों के खिलाफ जानकारी प्रदान कर रहे हैं, और नशा पीड़ित सक्रिय रूप से इलाज के लिए आगे आ रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में यह सामूहिक सहयोग यह सुनिश्चित करेगा कि राज्य पूरी तरह से नशा मुक्त हो जाए।

अभियान के बारे में विपक्षी दलों द्वारा व्यक्त की गई शंकाओं के बारे में मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए, वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि पंजाब में अकाली-भाजपा और कांग्रेस सरकारों के दौरान नशीले पदार्थों ने जड़ें जमा ली थीं, जिससे युवा कमजोर हो गए थे। उन्होंने विपक्षी दलों के नेताओं से इस महत्वपूर्ण अभियान का समर्थन करने का आग्रह किया, बजाय इसके कि वे संकीर्ण राजनीति में शामिल हों जो सार्वजनिक कल्याण की उपेक्षा करती है और, इसके विपरीत, नशीले पदार्थों से संबंधित मुद्दों को बढ़ावा देती है।

वित्त मंत्री ने बताया कि मंत्रिमंडल सब-कमेटी की बैठक, जो लगभग डेढ़ घंटे तक चली, ने 'युद्ध नशों विरुद्ध' मुहिम के दौरान अब तक की गई कार्रवाइयों की समीक्षा की और भविष्य की रणनीतियों को तैयार किया।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत जिला में लगाए जाएंगे ज्यादा से ज्यादा पौधे-डीसी उत्तम सिंह

डीसी उत्तम सिंह ने वन विभाग को जल्द से जल्द पौधारोपण का प्लॉन बनाने के दिए निर्देश

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। पर्यावरण संरक्षण के साथ अपने संस्कारों का समावेश करने के उद्देश्य से विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा ह्यएक पेड़ मां के नाम 2.0ह्ल पहल का शुभारंभ किया गया है। वहीं हरियाणा में मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के मार्गदर्शन में हरियाणा सरकार एक पेड़ मां के नाम अभियान-2.0 के तहत पर्यावरण संरक्षण के प्रति सजग एवं सतर्क है।

डीसी उत्तम सिंह ने सोमवार को करनाल लघु सचिवालय सभागार में इस अभियान को जिला में अधिक व्यापक बनाने के उद्देश्य से संबंधित अधिकारियों की बैठक ली। बैठक से पूर्व मुख्य सचिव हरियाणा अनुराग रस्तोगी ने वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से इसे अभियान को सार्थक बनाने के लिए प्रदेश के सभी उपायुक्त को आगामी प्लान बनाकर कार्य करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। डीसी उत्तम सिंह ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेते हुए इसे आगे बढ़ाने में योगदान देने का कार्य करें। राष्ट्रव्यापी इस अभियान में करनाल जिला के हर वर्ग की उल्लेखनीय भागीदारी रहे इसके लिए योजनाबद्ध तरीके से कदम उठाए जाएं। डीसी उत्तम सिंह ने कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान-2.0 के तहत जिला में अधिक से अधिक पौधे लगाने का लक्ष्य रखा जाएगा। उन्होंने जिला के सभी विभागाध्यक्षों को अपने-अपने कार्यालयों में अधिक से अधिक पौधारोपण करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला की एसटीपी, जलघर आदि क्षेत्रों में भी पौधारोपण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में मनरेगा स्कीम के तहत अधिक से अधिक पौधारोपण किया जाए, इसके अलावा जल शक्ति अभियान, स्वच्छ भारत मिशन, स्मार्ट सिटी मिशन, नेशनल ग्रीन हाईवे मिशन के तहत अधिक से अधिक पौधारोपण करने के निर्देश दिए। डीसी ने वन विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि वे इस अभियान के साथ आमजन को जोड़ते हुए उनकी अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करें। उन्होंने बताया कि पौधरोपण गतिविधियों को जियो-टैग करें साथ ही मेरी लाइफ पोर्टल पर भी अपलोड करें। डीसी उत्तम सिंह ने कहा कि सभी आमजन एक पेड़ मां के नाम अभियान से जुड़े। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से प्रदेशभर में महा पौधारोपण अभियान चलाकर सार्वजनिक चिन्हित स्थानों पर पौधरोपण किया जा रहा है।

प्रदेश सरकार एक पेड़ मां के नाम अभियान के प्रति सक्रिय है और यह अभियान लगातार चलता रहेगा। हमें आने वाली पीढ़ी के बारे में भी सोचना चाहिए और पर्यावरण संरक्षण में अपना दायित्व अवश्य निभाना चाहिए। उन्होंने जिला वासियों से आह्वान किया कि प्रत्येक नागरिक 'एक पेड़ मां के नाम' से अवश्य जुड़े और पर्यावरण संरक्षण में अपनी भूमिका निभाएं। डीएफओ पवन कुमार शर्मा ने बताया कि वन विभाग द्वारा जिला में 8 नर्सरियां बनाई गई है। आमजन इन नर्सरियों से मुफ्त में पौधे ले सकते हैं।

- **कम्बोपुरा नर्सरी**
- **मणक माजरा नर्सरी**
- **इंद्री एस्केप नर्सरी**
- **मलिकपुर नर्सरी**
- **घरौंडा नर्सरी**
- **मंगलपुर नर्सरी**
- **बालू नर्सरी**
- **रंगरूटी खेड़ा नर्सरी**

डीएफओ पवन कुमार शर्मा ने बताया कि वन विभाग द्वारा बेलपत्थर, नीम, कचनार, अमलताश, पपीता, कटहल, शीशम, तूण, बेर, इमली, चादनी, अर्जुन, जामुन, अनार, अमरूद, करीपत्ता, शैतूत, गुलमोहर, सफेदा, पीपल, पीलखन, बुड़ैल, हाथीफल, आम, सोंजना, हार श्रृगार, तुलसी आदि के पौधे उपलब्ध करवाए जाएंगे।

इस अवसर पर डीएफओ पवन कुमार, कृषि विभाग के डीडी वजीर सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी सुदेश कुमारी, आरटीए विजय देशवाल, डीडीपीओ संजय टांक व अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

पंजाब में नरमें की खेती वाले रकबे में 20 प्रतिशत वृद्धि, 2.98 लाख एकड़ में हुई बुवाई: खुड्डियां

'नरमें की खेती में फाजिल्का राज्यभर में सबसे आगे'

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

चंडीगढ़। पंजाब के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री स गुरमीत सिंह खुड्डियां ने बताया कि राज्य सरकार के फसल विविधिकरण से जुड़े प्रयासों को बड़ी सफलता मिली है क्योंकि नरमें की खेती के तहत क्षेत्रफल में लगभग 20 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। पिछले साल 2.49 लाख एकड़ क्षेत्र में नरमा बोया गया था, जो इस साल बढ़कर 2.98 लाख एकड़ हो गया है। यानी 49,000 एकड़ से अधिक का इजाफा दर्शाता है।

सोमवार शाम किसान भवन, चंडीगढ़ में आयोजित एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए, जो खरीफ सीजन और विभागीय परियोजनाओं की समीक्षा हेतु बुलाई गई थी, स गुरमीत सिंह खुड्डियां ने बताया कि फाजिल्का जिला 60,121 हेक्टेयर रकबे के साथ नरमे की खेती में सबसे आगे है। इसके बाद मानसा (27,621 हेक्टेयर), बठिंडा (17,080 हेक्टेयर) और श्री मुक्तसर साहिब (13,240 हेक्टेयर) का स्थान है। कृषि मंत्री ने बताया कि पंजाब सरकार किसानों को नरमे के बीजों पर 33 प्रतिशत सब्सिडी प्रदान करेगी, जिसके लिए 49,000 से अधिक किसान पहले ही ऑनलाइन पंजीकरण करवा चुके हैं। उन्होंने सभी मुख्य कृषि अधिकारियों को निर्देश दिए कि 15 जून तक सभी कपास उत्पादक किसानों का ऑनलाइन पंजीकरण सुनिश्चित किया जाए।

स गुरमीत सिंह खुड्डियां ने खरीफ सीजन की मक्के की बुवाई को लेकर भी संतोष प्रकट किया, क्योंकि 1 जून से बुवाई शुरू होने के बाद केवल 9 दिनों में ही 54,000 एकड़ से अधिक क्षेत्र में मक्का बोई जा चुकी है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार द्वारा धान की जगह मक्का उगाने वाले किसानों को 17,500 रुपए प्रति हेक्टेयर प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। इसके लिए एक पायलट प्रोजेक्ट के तहत छह जिलों – बठिंडा, संगरूर, पठानकोट, गुरदासपुर, जालंधर और कपूरथला को शामिल किया गया है। इस परियोजना का उद्देश्य 12,000 हेक्टेयर क्षेत्र को खरीफ मक्के की खेती के अधीन लाना है ताकि फसल विविधिकरण को बढ़ावा दिया जा सके और भूमिगत जल की रक्षा की जा सके। इस बदलाव को सुचारू रूप से लागू करने हेतु राज्य सरकार ने किसानों को मार्गदर्शन और प्रेरित करने के लिए 200 किसान मित्रों की तैनाती की है।

राज्य के कृषि क्षेत्र में सकारात्मक रुझान देखे जा रहे हैं और ये आंकड़े किसानों के सामूहिक प्रयासों तथा राज्य सरकार की फसल विविधिकरण और कृषि उत्पादकता बढ़ाने की पहलकदमियों को दशार्ते हैं। कृषि मंत्री ने धान की सीधी बुवाई (डी.एस.आर.), खादों की उपलब्धता और अन्य परियोजनाओं की स्थिति का भी जायजा लिया और ज़िला कृषि अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसानों को गुणवत्तापूर्ण कृषि सामग्री उपलब्ध करवाई जाए, क्योंकि किसानों के हितों की रक्षा करना पंजाब सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

इस बैठक में कृषि विभाग के प्रशासनिक सचिव डॉ. बसंत गर्ग, विशेष सचिव बलदीप कौर, कृषि आयुक्त बबीता, निदेशक जसवंत सिंह और विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

डॉक्टर आयना गिल व कांग्रेस नेता दिव्यांशु बुद्धिराजा बंधने वाले है विवाह के बंधन में

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। हरियाणा युवा कांग्रेस के अध्यक्ष दिव्यांशु बुद्धिराजा जल्द ही विवाह के बंधन में बंधने वाले है। उनकी सगाई मोहाली की डॉक्टर आयना गिल के साथ हो गया है। आयना गिल बीडीएस व एमडीएस डॉक्टर हैं जो कि प्राइवेट क्लिनिक चलाती हैं। आयना गिल की मां मोहाली में डॉक्टर हैं वहीं उनके पिता भी डॉक्टर हैं। दिव्यांशु बुद्धिराजा करनाल संसदीय सीट से कांग्रेस के उम्मीदवार भी रह चुके हैं। इन्होंने वर्तमान में केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल के खिलाफ चुनाव लड़ा था। युवा दिव्यांशु बुद्धिराजा कुशल वक्ता भी हैं। इनकी गिनती पूर्व मुख्यमंत्री भूपिंदर सिंह हुड्डा व उनके पुत्र सांसद दीपेंद्र हुड्डा के अत्यन्त करीबी लोगों में होती है, दिव्यांशु बुद्धिराजा व डॉक्टर आयना गिल की शादी अगस्त में होगी।

समाजसेवी प्रेम शंकर पाण्डेय के आकस्मिक निधन पर जसरा में शोक सभा व्यक्त की गयी

संजना भारती संवाददाता

मनोज कुमार बिन्द

बारा। जसरा ब्लॉक प्रमुख अजीत प्रताप सिंह ने समाजसेवी प्रेम शंकर पाण्डेय के आकस्मिक निधन पर जसरा ब्लॉक के सभागार में समाजसेवियों के साथ शोक सभा में शोक व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि प्रेम शंकर पाण्डेय का निधन समाज के लिए एक अपूरणीय क्षति है। पांडे जी राजनीति से लेकर समाज सेवा के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहे थे। वहीं ब्लॉक प्रमुख ने कहा कि प्रेम शंकर तिवारी हमेशा समाज के सभी वर्ग के लिए हमेशा काम करते रहे और उनकी सेवा हमेशा याद रखी जाएंगी। उन्होंने कहा कि प्रेम शंकर पाण्डेय के निधन से समाज को एक सच्चा सेवक खोना पड़ा है। समाजसेवी रेरा के दिनेश तिवारी ने भी दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की और शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि हमेशा पांडे जी के व्यक्तित्व को याद रखा जायेगा।

बिसौली में हुआ संपूर्ण समाधान दिवस

एसबी ब्यूरो प्रमुख/इंतजार हुसैन

बदायूं। जिलाधिकारी बदायूँ अवनीश राय एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बदायूँ डॉ0 बृजेश कुमार सिंह द्वारा संयुक्त रूप से तहसील बिसौली पर सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर सुनी गयी जनमानस की समस्याएं।

09.06.2025 को तहसील बिसौली में जिलाधिकारी बदायूँ अवनीश राय एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बदायूं डॉ0 बृजेश कुमार सिंह की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। तहसील बिसौली पर सम्पूर्ण समाधान दिवस पर उपस्थित रहकर शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को सुनकर अधिकांशत शिकायतों का मौके पर निस्तारण कराया गया तथा संबंधित को निष्पक्ष जाँच कर विधिक निस्तारण करने के आदेश-निर्देश दिए गए। इस दौरान तहसील बिसौली पर संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त समस्त तहसीलों पर संबंधित उपजिला मजिस्ट्रेट एवं क्षेत्राधिकारी द्वारा सम्पूर्ण समाधान दिवस पर शिकायतकर्ताओ की समस्याओं को सुनकर उनका प्रभावी निस्तारण कराया गया।

पालिका अध्यक्ष फाल्मा रजा ने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर कसा शिकंजा

एसबी ब्यूरो प्रमुख/इंतजार हुसैन

बदायूं। नगर पालिका अध्यक्ष फात्मा रजा ने शहर में चित्रांश नगर और छह सड़क निर्माण में गड़बड़ी की शिकायतें मिलने पर जांच के आदेश दिए है। संबंधित ठेकेदारों का भुगतान रोकने के भी निर्देश दिए है।

उन्होंने नगर क्षेत्र में चल रहे निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को सुनिश्चित करने के लिए कड़े कदम उठाए हैं। अब किसी भी निर्माण कार्य चाहे वह सीमेंट कंक्रीट (सीसी) सड़क हो, इण्टरलॉकिंग मार्ग हो या नाले-नालियों का निर्माण को शुरू करने से पहले स्थल निरीक्षण और बेस की फोटो दस्तावेजीकरण अनिवार्य कर दिया गया है।

पालिका द्वारा जारी निदेशों में स्पष्ट कहा गया है कि निर्माण से पूर्व संबंधित अभियंता मौके पर जाकर निरीक्षण करेगा और तैयार किए गए बेस की जांच कर फोटोग्राफ खींचकर फाइल में संलग्न करेगा। बिना दस्तावेजी प्रमाण के किसी भी कार्य को मंजूरी नहीं दी जाएगी।

पालिका अध्यक्ष फात्मा रजा ने कहा कि जनता की गाढ़ी कमाई से बन रही सड़कों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। कहा कि वार्ड संख्या दो चित्रांश नगर में हाल ही में बनाई गई सड़क महज दो दिन में उखड़ने लगी है। इस घटिया निर्माण पर स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी है।

इस शिकायत पर संज्ञान लेते हुए पालिका अध्यक्ष फात्मा रजा ने अवर अभियन्ता कृष्ण गोपाल चन्द्र, अवर अभियन्ता अमन कुमार को 48 घंटे के भीतर स्थल निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही यह भी स्पष्ट करने को कहा गया है कि कार्य गुणवत्ता मानकों पर खरा क्यों नहीं उतर पाया। साथ ही घंटाघर से छह सड़का तक बनाई गई नई सड़क की गुणवत्ता की भी जांच के आदेश दिए गए हैं।

पालिका अध्यक्ष ने चेतावनी दी है कि यदि भविष्य में किसी भी निर्माण कार्य में गुणवत्ता की कमी पाई जाती है, तो संबंधित अभियंता और ठेकेदार के विरुद्ध दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी।

नगरवासियों ने पालिका की इस पहल को सराहनीय बताया है और उम्मीद जताई है कि इससे निर्माण कार्यों में पारदर्शिता और विश्वसनीयता बढ़ेगी।

विधायक योगेंद्र राणा व धर्मवीर मान ने किया पुस्तकालय का उद्घाटन

विधायक योगेंद्र राणा को पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित करते डिप्टी एडवोकेट जनरल धर्मवीर मान। (छायाः एसबी)

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

असंध। आर्य समाज मंदिर बल्ला में सोमवार को मुख्य अतिथि विधायक योगेंद्र राणा और विशिष्ट अतिथि डिप्टी एडवोकेट जनरल धर्मवीर मान ने पुस्तकालय का उद्घाटन किया। ग्रामीणों ने मुख्य अतिथि विधायक योगेंद्र राणा व विशिष्ट अतिथि डिप्टी एडवोकेट जनरल धर्मवीर मान का गांव में पहुंचने पर फूल मालाओं से स्वागत किया।

विधायक योगेंद्र राणा ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा मनुष्य का जन्मसिद्ध अधिकार है। इसलिए देश के हर बच्चे को पढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा एक ऐसी चीज है जिसे दूसरा व्यक्ति उनसे न छीन सकता है और न बटवा सकता है। उन्होंने कहा कि इस पुस्तकालय से छात्रों को काफी लाभ मिलेगा। उन्होंने ग्रामीणों की मांग पर आर्य समाज मंदिर में हाल निर्माण के लिए पांच लाख रुपए की सहयोग राशि देने की घोषणा की।

विशिष्ट अतिथि डिप्टी एडवोकेट जनरल धर्मवीर मान ने कहा कि सरकार शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए अनेक कार्यक्रम चला रही है जिसका लाभ सभी को लेना चाहिए। इस लाइब्रेरी से आसपास के क्षेत्र के विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा। विद्यार्थी यहां अनेक परीक्षाओं की तैयारी कर सकेंगे।

इस अवसर पर सरपंच कर्मचंद, जोगिंदर पांचाल, जय भगवान जांगड़ा, पूर्व सरपंच बलवान सिंह, अमित राणा, वीरेंद्र मान, रोहित पांचाल, प्रेम सिंह फौजी, रणवीर सिंह, बिट्टू, मास्टर बलजीत मुख्य रूप से मौजूद रहे।

सेमी हाई स्पीड ट्रेन से करनाल से दिल्ली जाना होगा आसान

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। दिल्ली के प्रमुख शहरों से हरियाणा को कनेक्ट करने के लिए रेलवे की ओर से दिल्ली सराय रोहिला से करनाल के बीच नमो भारत कॉरिडोर बनाने की योजना पर तेजी से काम शुरू कर दिया गया है। इन रूटों पर सेमी हाई स्पीड ट्रेन का संचालन होगा। ट्रेन के संचालन से दिल्ली और हरियाणा के बीच सफर सुगम हो जाएगा। खासतौर से पानीपत और करनाल जैसे इलाकों से दिल्ली आने-जाने वाले स्टूडेंट्स, व्यापारियों को इसका सीधा फायदा होगा। परियोजना को लेकर हुई थी बैठकजानकारी के मुताबिक, कॉरिडोर की रूपरेखा और जमीन अधिग्रहण को लेकर हाल ही में रेलवे अधिकारियों और जिला प्रशासन के बीच बैठक भी हुई थी। उपायुक्त डॉक्टर वीरेंद्र कुमार दहिया की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया था। बैठक में रेलवे अधिकारियों ने कॉरिडोर के डिजाइन को लेकर चर्चा की थी। बैठक में उपायुक्त की ओर से कहा गया है कि प्रशासन इस परियोजना को प्राथमिकता देगा और रेलवे को भूमि अधिग्रहण समेत सभी जरूरी सहयोग दिया जाएगा। उपायुक्त ने विकास एवं पंचायत अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा है कि जमीन की उपलब्धता को लेकर सक्रियता से काम करना जरूरी है।

डीएसपी ट्रैफिक ने आईटीआई में विद्यार्थियों को ट्रैफिक नियमों की पालना करने के लिए किया जागरूक

चालान से बचने के लिए नहीं बल्कि जान माल की सुरक्षा के लिए करें यातायात नियमों की पालनाः डीएसपी सुशील प्रकाश

ट्रैफिक नियमों के बारे विद्यार्थियों को जागरूक करते हुए डीएसपी सुशील प्रकाश। (छायाः एसबी)

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। सड़क सुरक्षा विषय के तहत एसपी आस्था मोदी के आदेशानुसार आमजन सहित युवाओं को ट्रैफिक नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए सोमवार औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान कैथल में एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें एसपी डीएसपी ट्रैफिक सुशील प्रकाश व यातायात थाना प्रभारी इंस्पेक्टर नरेश कुमार, एसआई रघुबीर व एचसी सुरेश ने विद्यार्थियों को यातायात नियमों की पालना करने के लिए जागरूक किया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा दुर्घटनाओं में कमी लाना है।

डीएसपी सुशील प्रकाश ने विद्यार्थियों को ट्रैफिक नियमों की आवश्यकता, हेलमेट व सीट बेल्ट के प्रयोग, तेज गति और मोबाइल के उपयोग से होने वाले खतरों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अधिकांश सड़क दुर्घटनाएं लापरवाही और नियमों की अनदेखी के कारण होती हैं, जिन्हें थोड़ी सी सावधानी और जागरूकता से रोका जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान आईटीआई स्टाफ व विद्यार्थियों को फोटो के माध्यम से बताया कि बहुत सारे आईटीआई के विद्यार्थी दुपहिया पर तीसरी सवार व बिना हेलमेट के चलते है।

डीएसपी ने कहा कि चालान से बचने के लिए नहीं बल्कि अपनी व दूसरों की जान माल की सुरक्षा के लिए यातायात नियमों की पालना करनी चाहिए। इस दौरान आईटीआई प्रधानाचार्य सतीश मचल, अधीक्षक आईटीआई सोहन लाल, वर्ग अनुदेशक आईटीआई शमशेर सिंह, अनुदेशिका मंच संचालक श्रीमती मीनाक्षी व अन्य स्टाफ व विद्यार्थी मौजुद रहें। प्रधानाचार्य सतीश मचल ने कहा कि आगे से आईटीआई में बिना हेल्मेट के दुपहिया वाहन को एंट्री नहीं दी जाएगी तथा उन्होंने भी बच्चो को ट्रैफिक नियमों की पालना करने के लिए प्रेरित किया। प्रधानाचार्य ने डीएसपी सुशील प्रकाश का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम विद्यार्थियों को जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा देते हैं।

स्वच्छता पखवाड़ा के तहत जल संरक्षण दिवस गतिविधि की गई आयोजित

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। स्वच्छता पखवाड़ा के तहत नगर निगम क्षेत्र में जल संरक्षण दिवस की गतिविधि आयोजित की गई। इसके तहत निगम की सेनीटेशन टीम, स्वच्छ भारत मिशन टीम व सफाई मित्रों ने नेशनल हाईवे-44 स्थित कर्ण लेक तथा पश्चिमी यमुना नहर के घाटों की सफाई अभियान के तहत साफ-सफाई की।

नगर निगम आयुक्त डॉ. वैशाली शर्मा ने गतिविधि की जानकारी देते बताया कि इसके लिए बनाई गई दो अलग-अलग टीमों ने कर्ण लेक व पश्चिमी यमुना नहर (डब्ल्यू.जे.सी.) के घाट व आस-पास क्षेत्र की साफ-सफाई की, ताकि हमारे जलाशय व नहरें स्वच्छ बनी रहें। यह साफ-सुथरे होंगे, तो इनका जल भी स्वच्छ बना रहेगा। उन्होंने बताया कि

नगर निगम जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए दहा, बलड़ी व उचाना गांवों में मौजूद तालाबों का नवीनीकरण और सौंदर्यीकरण कार्य करवा रहा है, ताकि तालाबों में स्वच्छ जल एकत्र किया जा सके। उन्होंने बताया कि जल संरक्षण का अर्थ है, पानी का उपयोग कम करना और इसे बचाना। यह मीठे पानी के संसाधनों की सुरक्षा और संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण है। यह सुनिश्चित करता है कि पानी का उपयोग कुशलतापूर्वक किया जाए और भविष्य में पानी की कमी से बचा जा सके। उन्होंने कहा कि ताजा पानी एक सीमित संसाधन है और दुनिया में तेजी से बढ़ती जनसंख्या के साथ जल संरक्षण आवश्यक हो जाता है। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण से ही जल की कमी से बचा जा सकता है, क्योंकि कई क्षेत्रों में यह एक गम्भीर समस्या है। जल संरक्षण से ही भविष्य में पानी की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सकती है।

निगमायुक्त ने शहरवासियों से भी अपील करते कहा है कि वह जल संरक्षण के महत्व को समझें और अपने आस-पास के लोगों को इसके बारे में जागरूक करें और उन्हें पानी बचाने के लिए प्रोत्साहित करें। नागरिक टपकते नल और शौचालयों को ठीक करें।

कर्ण लेक और पश्चिमी यमुना नहर के घाटों पर की गई साफ-सफाई

पानी के नल को इस्तेमाल के बाद बंद कर दें और नहाते समय कम पानी का उपयोग करें। इस्तेमाल किए गए पानी का पुनः उपयोग में लाएं, जैस कि कपड़े धोने के पानी से पौधों को पानी देना और शौचालय में भी उसका उपयोग कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि स्वच्छ जल एक सीमित संसाधन है, नागरिक इसके महत्व को समझें और पानी का कुशलतापूर्वक उपयोग करें, ताकि अनावश्यक जल उपयोग को कम किया जा सके।

पांच दिवसीय एफएलएन प्रशिक्षण का समापन

प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट वितरण करते अधिकारीगण। (छायाः एसबी)

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

असन्ध। जयसिंहपुरा स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में निपुण हरियाणा मिशन के अंतर्गत पांच दिवसीय एफएलएन प्रशिक्षण का समापन हुआ। प्रथम दिन कार्यक्रम की शुरूआत खंड शिक्षा अधिकारी सतीश कुमार ढुल द्वारा पौधारोपण करके की गई और पांचवें दिन कार्यक्रम का समापन जिला एफएलएन कोर्डिनेटर विपिन कुमार व गणित विशेषज्ञ सुधीर शर्मा ने किया। डाइट के प्राचार्य ईश्वर सिंह व प्रवीण कुमार ने पूरे कार्यक्रम का चरणबद्ध तरीके से निरीक्षण किया।

कार्यक्रम के खंड कॉर्डिनेटर बीआरपी सुनील ढुल ने बताया कि प्रशिक्षण में 160 प्राथमिक शिक्षकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया है। प्रशिक्षण को सुचारू से चलाने के लिए बीआरपी धर्मबीर कौशिक, कृष्ण सिंधड व मास्टर महीपाल दूहन का विशेष रूप से योगदान रहा। मास्टर ट्रेनर ललित, मनजिंदर, कुलदीप, अक्षय, विकास ढांडा, प्रदीप, नेहा, स्वाती, सुमन, सुनीता, सोनिया व मीना इत्यादि ने अध्यापकों को प्रशिक्षित किया।

प्रशिक्षण शिविर में महीपाल दूहन रंगरूटीखेड़ा, असोक मान, मैनपाल मान, बलजीत सैनी, यशपाल मान, प्रदीप दूहन, देवेन्द्र अत्री, सोनू ठरी, संजीव भट्ट, संजीव कपूर, रामनिवास शर्मा, नरेन्द्र जांगड़ा, राजेश बल्हारा, मनजीत बनवाला आदि शिक्षकों सहित 160 शिक्षकों ने भाग लिया।

गांव नीमवाला व राजौंद में नवीन संकल्प शिविर का होगा आयोजन

नागरिक 'नवीन संकल्प शिविर' में पहुंचकर योजनाओं का लाभ उठाएंः सिसोदिया

संजना भारती संवाददाता

राजौंद। कुरुक्षेत्र के समाजसेवी सांसद नवीन जिंदल द्वारा संसदीय क्षेत्र कुरुक्षेत्र में समय-समय पर कल्याणकारी, समाज सेवा, मानव सेवा की भावना से शिविरों का आयोजन किया जाता रहा है। जिन्दल हाऊस कुरुक्षेत्र के हल्का कलायत कार्यालय प्रभारी कर्मवीर सिसोदिया ने बताया कि नवीन जिंदल फाउंडेशन द्वारा तिथि 10 जून, दिन मंगलवार को हल्का कलायत में नवीन संकल्प शिविर का आयोजन किया जा रहा है। बताया गया कि खंड राजौंद के गांव नीमवाला की वाल्मीकि चौपाल में सुबह 10:00 बजे से 1:00 बजे तक नवीन संकल्प शिविर का आयोजन किया जाएगा। तत्पश्चात बाद दोपहर राजौंद के वार्ड नंबर 13, प्रजापति चौपाल में 2:00 बजे से सायंकाल 4:30 बजे तक नवीन संकल्प शिविर का

सांसद कुरुक्षेत्र नवीन जिंदल।

आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इन शिवर में निशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाएगी। मेडिकल वैन शिविर में पहुंचेगी। शिविर में नागरिकों के लिए निशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होगी। इनमें निःशुल्क लैब टेस्ट होंगे।

शिविर में एमबीबीएस डॉक्टर से नागरिक परामर्श व दवाएं ले सकेंगे। संकल्प शिविर में पेंशन व परिवार पहचान पत्र संशोधन संबंधी कार्य किए जाएंगे। ताकि नागरिक सरकारी योजनाओं का लाभ ले सके। इसके साथ-साथ नवीन जिंदल यशस्वी छात्रवृत्ति योजना के लिए विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि संकल्प शिविर के बारे में अधिक जानकारी के लिए मोबाइल नंबर 98960-10003 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

सिसोदिया ने कहा कि नागरिकों को समाजसेवी सांसद नवीन जिंदल द्वारा समय-समय पर लगाए जा रहे जनहित व सामाजिक हित के इन शिवरों में पहुंचकर लाभ उठाना चाहिए।

विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी : जगमोहन आनंद

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। विधायक जगमोहन आनंद ने करनाल में चल रहे विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में करनाल नगर निगम की मेयर रेणु बाला गुप्ता एवं नगर निगम आयुक्त डॉ. वैशाली शर्मा उपस्थित रहीं।

विधायक जगमोहन आनंद ने नगर निगम अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी कार्यों को समयबद्ध रूप से पूरा किया जाए, ताकि जनता को जल्द से जल्द सुविधाएं मिल सकें।

जलभराव की समस्या पर सख्ती, 30 दिन में पशु डेयरियों को हटाने के निर्देश। विधायक ने बरसात के मौसम को ध्यान में रखते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि कि शहर के किसी भी क्षेत्र में जलभराव की समस्या न उत्पन्न हो। यदि कहीं जलभराव की शिकायत प्राप्त होती है तो संबंधित अधिकारी के विरुद्ध तत्काल कार्रवाई की जाएगी।

विधायक ने कहा कि पार्षदों द्वारा सुझाए गए कार्यों की प्रगति की समय-समय पर जांच की जाए। पार्षदों के कार्यों को प्राथमिकता दी जाए और उनके समाधान में कोई देरी न हो। सभी कार्य निरंतर चलते रहने चाहिए, विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। उन्होंने नगर निगम अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि शहर में स्थित पशु डेयरियों को 30 दिनों के भीतर स्थानांतरित किया जाए। इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

विधायक आनंद ने कहा कि शहर में किसी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए उनके चालान किए जाएं। इसके साथ ही निगम की जमीन पर किसी भी प्रकार का कब्जा न होने दिया जाए।

उन्होंने बिजली विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहर में फैले तारों के जाल का सर्वे करवा कर जल्द सुधार कार्य किया जाए। स्मार्ट सिटी परियोजना के अधिकारियों को निर्देश दिए कि एक सप्ताह के भीतर सभी स्ट्रीट लाइट्स को चालू कर दिया जाए।

कैथल के सेक्टरों, चीका व पूंडरी में आयोजित किए गए योग प्रोटोकाल प्रशिक्षण शिविर

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. शकुंतला दहिया ने बताया कि जिला प्रशासन एवं आयुष विभाग के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को योग संस्थाओं महिला पतंजलि योग समिति एवं भारतीय योग संस्थान के सहयोग से एचएसवीपी के सेक्टर 18, 19, 20, 21 तथा चीका में एचएसवीपी आर 3 एवं पूंडरी में योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए गए।

उन्होंने बताया कि शहरी क्षेत्र के नागरिकों के स्वास्थ्य रक्षण एवं आधुनिक जीवन में भाग दौड़ भरी जिंदगी में अपने शरीर पर ध्यान एवं योगमय बनाने के उद्देश्य से एचएसवीपी सेक्टर में योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए गए तथा 21 जून 2025 को योग दिवस के कार्यक्रम हेतु योग शिविर प्रतिभागियों को आमंत्रित किया गया। भारतीय योग संस्थान से सेक्टर 20 में विनोद मित्तल, सेक्टर-21 में रामेश्वर धीमान, महिला पतंजलि योग समिति के सहयोग से सेक्टर 19 में सुनीता एवं किरण योग शिक्षिका, सेक्टर 18 में सुदेश आर्या द्वारा योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया।

गुहला ब्लॉक में सेक्टर आर 3 चीका में भारतीय योग संस्थान के प्रधान डॉ. विनोद गुप्ता द्वारा योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त आयुष विभाग द्वारा हनुमान वाटिका, जाट कॉलेज कैथल में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविरों का आयोजन किया गया, जिसमें बीपी, शुगर आदि स्वास्थ्य जांच की गई। हनुमान वाटिका कैथल में महिला पतंजलि योग समिति कैथल की जिला प्रभारी शांति चौधरी एवं जाट कॉलेज में सुबे सिंह राविश द्वारा प्रतिदिन चलाई जा रही निःशुल्क योग कक्षा के प्रतिभागियों का बीपी, शुगर, एचबी आदि स्वास्थ्य जांच आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी डॉ. अंजलि श्योकन्द, होम्योपैथिक विशेषज्ञ डॉ. सुनील अरोड़ा तथा आयुष योग सहायक संदीप तंवर के सहयोग से शिविर का आयोजन किया गया।

गुहला में योग मैराथन का आयोजन 15 जून को

जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. शकुंतला दहिया ने बताया कि 11 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में डीसी प्रीति के निर्देशानुसार 15 जून 2025 को नशा मुक्ति अभियान को लेकर गुहला में योग मैराथन का आयोजन खेल विभाग के सहयोग से किया जाएगा। योग मैराथन के लिए गुहला में आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी डॉ. विक्रमजीत को आयुष नोडल अधिकारी को नियुक्त किया गया है।

एक पेड़ माँ के नाम अभियान के दूसरे चरण के तहत अधिक से अधिक पेड़ लगाएं आमजनः डीसी प्रीति

प्रकृति संरक्षण और स्वच्छ पर्यावरण के संकल्प में अपना सक्रिय योगदान दें जिलावासी

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। डीसी प्रीति ने कहा कि सरकार व जिला प्रशासन पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन के प्रति पूरी तरह से गंभीर है। इस दिशा में एक ओर कदम बढ़ाते हुए सरकार द्वारा एक पेड़ माँ के नाम अभियान के दूसरे चरण की शुरूआत की गई है। वन विभाग के अधिकारी जगह निर्धारित करें कि इस अभियान के तहत जिला में कहां-कहां पर पौधे लगाए जाएंगे। इसके साथ ही विभिन्न विभागों को जो भी टारगेट दिया जाए, उसको सभी अधिकारी पूरी शक्ति और प्रयास के साथ पूरा करें। इस अभियान में सभी आमजन बढ़चढ़ भाग लें और अधिक से अधिक पौधारोपण करके स्वच्छ पर्यावरण के संकल्प में अपना सक्रिय योगदान दें।

डीसी प्रीति सोमवार को लघु सचिवालय के वीडियो कांफ्रेंस हाल में चंडीगढ़ से आयोजित वीसी के बाद संबंधित अधिकारियों को निर्देश दे रहीं थीं। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र

उपायुक्त कैथल प्रीति।

मोदी ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान की शुरूआत की थी। उनका कहना था कि जितना सम्मान हम अपनी जन्म देने वाली माँ को देते हैं, उतना ही सम्मान, हमारी धरती माता को भी दें। एक पेड़ माँ के नाम अभियान के दूसरे चरण में हमें अधिक से अधिक पेड़ लगाने हैं। इसको लेकर वन विभाग प्लानिंग बनाए। जगह निर्धारित करने के साथ साथ पौधों की उपलब्धता भी सुनिश्चित करें। इसके अलावा पिछले साल लगाए गए पौधों की प्रगति की समीक्षा भी करें। पौधारोपण की योजना एवं प्रारूप तैयार करने के लिए 10 जून को जिला समन्वय समिति की बैठक का आयोजन भी किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि आज प्लास्टिक से पर्यावरण को बहुत नुकसान हो रहा है और हमें इसके प्रति भी सचेत होने की आवश्यकता है, क्योंकि आने वाली पीढ़ियों को भी इससे नुकसान होगा। पर्यावरण को स्वच्छ रखना हम सबकी जिम्मेदारी है। हमें पेड़ों को कटने से बचाना होगा और साथ ही प्लास्टिक के उपयोग को भी बंद करना होगा। हमें एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में प्लास्टिक का उपयोग पूरी तरह बंद करना चाहिए और स्वच्छ, सुरक्षित पर्यावरण की दिशा में कदम बढ़ाना चाहिए, ताकि हमारी आने वाली पीढ़ियां स्वच्छ हवा में सांस ले सकें। यदि पर्यावरण हरा-भरा हो और वन क्षेत्र अधिक हो, तो प्राकृतिक रूप से पर्याप्त ऑक्सीजन उपलब्ध हो सकती है।

बारिश से पहले की जाए नालों की साफ-सफाईः हरविंद्र कल्याण

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। बरसात के सीजन से पहले हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण शहर से पानी की निकासी, जलभराव सहित अन्य व्यवस्थाओं को लेकर एक्शन मोड में आ गए हैं। जिसको लेकर हरविन्द्र कल्याण ने बरसात के मौसम में आने वाली हर समस्याओं पर स्थानीय अधिकारियों से विस्तार से जानकारी हासिल की और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहर में हो रहे विकास कार्यों पर पूरा फोकस होना चाहिए ताकि लोगों की मूलभूत जरूरतों से जुड़े विकास कार्य जल्द पूरे हो सके।

हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण स्थानीय विश्राम गृह में अधिकारियों की बैठक में बोल रहे थे। उन्होंने जनस्वास्थ्य विभाग से शहर में जलभराव की जानकारी ली और स्पष्ट रूप से निर्देश दिए कि बारिश में किसी स्थान पर जलभराव नहीं होना चाहिए, इसकी व्यवस्था पहले से ही होनी चाहिए। इसी के साथ पीडब्ल्यूडी विभाग से अंडरपास के ऊपर शेड के बारे में जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि शीघ्र ही अंडरपास के ऊपर शेड लगाया जाएगा, ताकि लोगों को समस्या से निदान मिले। स्पीकर

कल्याण ने बिजली विभाग के एसडीओ दीपक गर्ग से शहर में लाइट व्यवस्था के पूछा और कहा कि गर्मी काफी पड़नी शुरू हो गई है, इसलिए शहर में बिजली व्यवस्था बिल्कुल दुरुस्त होनी चाहिए। अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने नगरपालिका सचिव रवि प्रकाश शर्मा से शहर की सफाई व्यवस्था, नालों की सफाई के बारे में जानकारी ली और कहा कि बारिश से पहले शहर के सभी नालों की सफाई होनी चाहिए व शहर में किसी स्थान पर जलभराव नहीं होना चाहिए। बैठक में नगरपालिका चेयरमैन हैप्पी लक गुप्ता, एसडीएम राजेश सोनी, पीडब्लूडी विभाग के एक्सईन संदीप सिंह,जनस्वास्थ्य विभाग के एक्सईन संजय शर्मा, एसडीओ रविंद्र सैनी, नगर पालिका सचिव रवि प्रकाश शर्मा, मंडल अध्यक्ष रोहित भंडारी व अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।